अखबार नहीं आईना...

विजय मत

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | शहडोल, शुक्रवार, 5 अप्रैल 2024 | वर्ष- 07 | अंक- 98 | पेज-08 | मूल्य- ₹ 3.00/-

अनमोल विचार

आभार, आत्मा से उत्पन होने वाली सबसे खुबसूरत कली है।
» हेनरी वार्ड बीचर

दमोह में जनसभा को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित...

निश्चित रूप से भाजपा 400 पार का नारा पूरा होगा: मोहन यादव

विजय मत ब्यूरो दमोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दमोह में लोकसभा प्रत्याशी राहुल लोधी जी के पक्ष में रोड शो किया। इस दौरान सीएम डॉ. यादव ने कहा कि दमोह की धरती पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनाने के लिए रोड शो कर रहे हैं।

बता दें कि दमोह से भाजपा प्रत्याशी राहुल लोधी ने गुरुवार को नामांकन दाखिल किया। इस दौरान सीएम मोहन यादव भी दमोह पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मोदी जी की लोकप्रियता और भारतीय जनता पार्टी की जन-जन में पैठ है। जनता भाजपा के कामों को पसंद करती है। डॉ. यादव ने कहा कि निश्चित रूप से भाजपा 400 पार का नारा पूरा होगा। जनता को मोदी जी की कार्यप्रणाली पसंद है। दमोह के एक छोटे से कस्बे में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का आना मोदी जी के समर्थन का अहसास कर रही है। छिंदवाड़ा में फतह हासिल करेंगे और निश्चित रूप से 29 की 29 सीटें आएंगी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, मंत्री प्रहलाद पटेल, लखन पटेल, जयंत मलैया, गोपाल भार्गव, धर्मेंद्र लोधी भी मौजूद रहे।

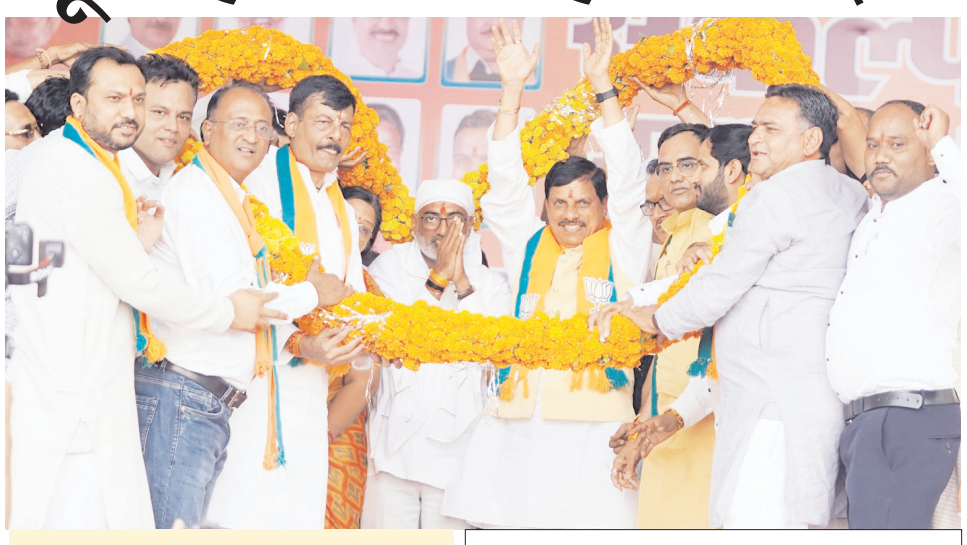

सीएम बोले- कमलनाथ ने झूठ बोलकर 13 महीने सरकार चलाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल झूठ बोलकर उन्होंने 13 महीने सरकार चलाई। काम करने के लिए 3 महीने ही बहुत होते है। इतने धनवान है कि उनके घर में 2 हेलिकॉप्टर है। जिससे आना जाना करते। जनता तो उन्हें केवल आसमान में देखती है।

संकल्प, अब की बार 400 पार

सीएम डॉ. मोहन यादव ने नर्मदापुरम में भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के नामांकन के मौके पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बस एक ही संकल्प.. अब की बार 400 पार। अबकी बार 400 पर के नारे को धरातल पर उतरने के लिए बीजेपी का हर एक कार्यकर्ता जी जान से लगा हुआ है। कलस्टर बैठक में सभी बिंदुओं को लेकर चर्चा की गई और मध्य प्रदेश में बीजेपी 29 में से 29 सीटे जीत कर कांग्रेस का पूरे मध्य प्रदेश में सफाया करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जमुई में चिराग के लिए किया प्रचार, बोले-

कांग्रेस-आरजेडी पार्टी, हर मौके पर बिहारी गौरव का किया अपमान

जमुई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए ने 4 अ.प्रैल को बिहार के जमुई में शक्ति प्रदर्शन किया। मंच पर नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी, चिराग पासवान समेत कई नेता मौजूद थे। बिहार में एनडीए ने गुरुवार को अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। जमुई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली की। पीएम मोदी ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के लिए प्रचार किया। पीएम ने कहा कि बिहार के लोगों ने एनडीए को बिहार की सभी 40 लोकसभा सीटें और पूरे देश में 400 से अधिक सीटें जीतने में मदद करने का संकल्प लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे अपने पुराने साथी राम विलास पासवान की कमी खल रही है। लेकिन खुशी है कि मेरे छोटे भाई चिराग ने मेरे मित्र दिवंगत राम विलास पासवान की जगह ले ली है। उन्होंने कहा कि जमुई में उमड़ा जनसैलाब बता रहा है कि जनता का मूड क्या है।

बिहार की धरती ने पूरे देश को दिखाई दिशा

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार की धरती ने पूरे देश को दिशा दिखाई है। चाहे वह आजादी की लड़ाई रही हो या स्वतंत्र भारत की नींव मजबूत करना रहा हो, इस धरती ने बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद बिहार के सामर्थ्य के साथ न्याय नहीं हो पाया। बिहार को एनडीए गठबंधन बहुत ही परिश्रम से एक बड़े दलदल से बाहर निकाल कर लाया है।

बिहार को लालटेन युग में लाना चाहते हैं घमंडिया गठबंधन... पीएम ने कहा कि एक तरफ एनडीए सरकार है, जो नए उद्योग लगाने की बात करती है। दूसरी ओर ये लोग हैं, जिनकी पहचान अपहरण उद्योग की रही है। एक तरफ एनडीए सरकार है, जो सोलर पावर और एलईडी लाइट की बात करती है। दूसरी ओर ये घमंडिया गठबंधन वाले लोग हैं, जो बिहार को लालटेन युग में रखना चाहते हैं। पीएम ने कहा कि हमारी सरकार में राम मंदिर का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा हुआ है, जबकि आरजेडी-कांग्रेस ने राम मंदिर न बने, इसके लिए पूरी ताकत लगा दी थी। आज भी ये लोग राम मंदिर का उपहास उड़ाते हैं, अपमान करते हैं। कांग्रेस हो या आरजेडी, इन्होंने हर मौके पर बिहार और बिहारी गौरव का अपमान किया है।

हिमाचल के चंबा में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 5.3 रही तीव्रता

हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में वीरवार देर रात भूकंप के तेज झटका महसूस किया गया। अचानक लगे भूकंप के झटके के बाद लोग अपने घरों से निकाल कर खुली जगह पर पहुंच गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप के झटके की तीव्रता 5.3 आंकी गई। भूकंप के झटके से जिला में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है।

भाजपा मीडिया प्रभारी ने सुरजेवाला को दिखाया आईना, लिखा

और कितना गिरोगे कांग्रेसियों?

विजय मत, भोपाल

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के भाजपा सांसद हेमा मालिनी को लेकर दिए गए बयान पर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। अब इस पर भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए कहा गया है कि और कितना गिरोगे कांग्रेसियों?

भाजपा मध्य प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने सुरजेवाला के बयान पर लिखा कि यह कांग्रेसी नेताओं की 'नारी शक्ति' के प्रति घृणित मानसिकता, विकृत बुद्धि बताते हैं। इसके साथ ही अग्रवाल ने कांग्रेस नेताओं द्वारा महिलाओं पर की गई टिपणियों की सूची पेश कर दी। गांधी परिवार के करीबी रणदीप सुरजेवाला का बयान- हम सांसद व विधायक क्यों बनाते हैं ताकि वो हमारी आवाज उठा सकें, कोई हेमा मालिनी तो हैं नहीं, कि चाटने के लिए बनाते हों सेल को काट-छांट, तोड़-मरोड़ और फर्जी-झूठी बातें फैलाने की आदत हो गई है। ताकि वो हर दिन मोदी सरकार की युवा विरोधी, किसान विरोधी, गरीब विरोधी नीतियों- विफलताओं व भारत के संविधान को खत्म करने की साजिश से देश का ध्यान भटका सके। पूरा वीडियो सुनिए- मैंने कहा हम तो हेमा मालिनी जी का भी बहुत सम्मान करते हैं, क्योंकि वो धर्मेंद्र से शादी की है। मेरा बयान केवल इतना था कि सब अपने काम के दम पर बनते-बिगड़ते हैं, जनता सर्वोपरि है और चुनाव में उसे अपने विवेक का इस्तेमाल कर के चुनाव करना होता है।

सुरजेवाला ने दी सफाई

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी को लेकर हरियाणा के कैथल में आयोजित सभा में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कि भाजपा आईटी

न्यूज इन शॉर्ट

एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं के रिजल्ट 15 अप्रैल के बाद हो सकते हैं जारी

विजय मत, भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं परीक्षा होने के बाद से विद्यार्थियों को अब रिजल्ट का इंतजार है। दोनों ही परीक्षाओं में उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य जारी है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। एमपी बोर्ड ने 5 अप्रैल तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे मूल्यांकन पूरा होने के बाद 15 से 20 अप्रैल के बीच 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के रिजल्ट घोषित किए जा सकते हैं। एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य की गति काफी धीमी रही। बोर्ड के अधिकारियों की माने तो 5वीं, 8वीं और 11वीं की परीक्षाओं का असर मूल्यांकन पर पड़ा है। इन परीक्षाओं में कई विषयों की शिक्षकों की ड्यूटी लगी, जिससे मूल्यांकन का कार्य प्रभावित हो गया। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं और 12वीं 2024 के रिजल्ट बोर्ड की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर जारी होंगे। विद्यार्थी अपने रोल नंबर के जरिए रिजल्ट देख सकेंगे।

तत्कालीन पांच सीएमओ दो स्टोर कीपर और एक लेखापाल पर ईओडब्ल्यू ने की एफआईआर

विजय मत, ब्यूरो ग्वालियर। बीते साल 7 फरवरी को मुरैना के रमेश उपाध्याय ने ग्वालियर ईओडब्ल्यू में शिकायत की थी। इसमें कैलारस नगर परिषद में पैसों के गबन की बात कही गई थी। शिकायत में बताया गया था कि कैलारस नगर परिषद में बिल वाउचरों का फर्जी भुगतान कर शासन को चूना लगाया जा रहा है। अब तक भ्रष्टाचार के मामले तो बहुत सुने होंगे, लेकिन मुरैना जिले में नगर परिषद का भ्रष्टाचार हैरान करने वाला है। यहां एक दो नहीं बल्कि 180 बिलों का फर्जी भुगतान कर डेढ़ करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा किया गया। इस मामले में बुधवार को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने 8 अधिकारी कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। बता दें कि भ्रष्टाचार के इस मामले की कहानी भी काफी फिल्मी है। दरअसल डेढ़ करोड़ के इस फर्जीवाड़े में फर्जी नियुक्ति और ट्रांसफर का खेल भी सामने आया है।

मप्र के 18 जिलों में बारिश की संभावना, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी

देश के 6 राज्यों में लू चल रही, तापमान 43 डिग्री

विजय मत, भोपाल/ नई दिल्ली

देश के 6 राज्यों में लू चल रही है। इनमें कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। यहां का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। भारतीय मौसम विभाग ने केरल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और लक्षद्वीप में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी रहने की बात कही है। इनमें जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। मौसम विभाग ने कहा कि 7 अप्रैल से मध्यप्रदेश के 18 और बिहार के 9 जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, झारखंड में 7 अप्रैल तक राज्य में लू का यलो अलर्ट जारी किया है।

भारतीय सेना को मिली 'आकाशतीर' प्रणाली

जमीन से लेकर हवा तक सीमा की हिफाजत करना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना की वायु रक्षा कोर को गुरुवार को आकाशतीर परियोजना के तहत कमांड और कंट्रोल सिस्टम मिला। इस प्रणाली की मदद से देश की जमीन से लेकर आसमान तक की हिफाजत सेना के लिए आसान हो जाएगी। इसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले बीईएल के साथ इस प्रणाली के विकास के लिए 1982 करोड़ रुपये का समझौता किया था। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह एक स्वचालित वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग प्रणाली है। इसमें सेंसर व रडार का नेटवर्क है, जो दुश्मन के विमान, जेट, हेलिकॉप्टर, ड्रोन व मिसाइलों के बारे में तुरंत अलर्ट जारी करते हैं। इसके अलावा इस प्रणाली से मिले अलर्ट के आधार पर जमीन से हवा और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और रॉकेट्स को जोड़ा जा सकता है। इसके अलर्ट सेना और वायुसेना दोनों को मिलते हैं, जिससे दुश्मन के हमले के खिलाफ त्वरित प्रतिक्रिया देना आसान हो जाता है। आकाशतीर प्रणाली खासतौर पर समय कम ऊंचाई वाले इलाकों में हवाई जोखिमों की निगरानी को आसान बनाती है। आकाशतीर के संचालन के लिए भारतीय सेना का अपना सैटेलाइट काम करता है। इसे भारतीय सेना के भविष्य के इंटिग्रेटेड वॉर रूम का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका इस्तेमाल तीनों सेनाएं मिलकर करेंगी।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका नहीं सुनी, याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका पर सुनवाई नहीं की। हाईकोर्ट ने कहा कि अदालत पहले भी ऐसी ही याचिका को खारिज कर चुकी है। डिवीजन बेंच के एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह ने कहा, अदालतों को चाहिए कि वो लोकतंत्र को अपना काम करने दें। याचिकाकर्ता यानी हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता अपनी याचिका लेकर उप-राज्यपाल के पास जा सकते हैं। गुप्ता के वकील ने कहा कि हम याचिका वापस लेते हैं और अब एलजी के पास जाएंगे। उन्होंने दलील दी थी कि केजरीवाल ने संवैधानिक भरोसे को तोड़ा है।

एशिया का सबसे बड़ा पानी पर तैरता सोलर पावर प्लांट का ट्रायल हुआ पूरा

100 मेगावाट बिजली उत्पादन का उद्देश्य

विजय मत, ब्यूरो खंडवा

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर बांध के बैकवाटर में निर्माणाधीन एशिया के सबसे बड़े पानी पर तैरते सोलर पावर प्लांट की बिजली लाइन ट्रायल पूरा हो गया है। यहां 100 मेगावाट क्षमता का पहला ट्रांसफार्मर चार्ज होने के बाद काम करने लगा है। इससे केलवाखुर्द के पास बैकवाटर में स्थित एम्प कंपनी के पावर प्लांट तक सप्लाई पहुंच गई है। एम्प के प्लांट में अन्य उपकरणों की टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी होने पर पहले चरण में संभवत दो-तीन दिन में 50 मेगावाट बिजली का उत्पादन शुरू हो जाएगा। यहां से खंडवा जिले के छैगांवमाखन ग्रिड तक बिजली पहुंचाई जाएगी। जहां से एमपीपीएमसीएल के माध्यम से प्रदेश के जिन स्थानों पर जरुरत होगी वहां इस प्लांट से बनने वाली बिजली दी जाएगी। बताया जा रहा की पहले ट्रांसफार्मर का ट्रायल हो चुका है। दूसरे ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग भी पूर्ण कर ली है। इससे आने वाले दिनों में चार्ज किया जाएगा। तीसरे ट्रांसफार्मर को भी स्थापित किया जा रहा है। इस माह के अंत तक यह काम भी पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश को सोलर पावर से बिजली मिलना शुरू हो जाएंगी।

विदेश मंत्री की दो टूक: पीओके भारत से अलग नहीं

उस पार से गलत हरकत हुई तो करारा जवाब मिलेगा: जयशंकर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पीओके और आतंकवाद को लेकर भारत का रुख स्पष्ट किया है। विदेश मंत्री का कहना है कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का नहीं बल्कि पूरे देश का रुख है।

विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को लेकर मुख्य चिंता आतंकवाद है। ऐसे में अगर पड़ोसी देश की तरफ से सीमा पार कुछ भी गलत हरकत हुई तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करेंगे और जब भी आतंकवाद पैर फैलाएगा तो हम इससे निपटेंगे क्योंकि ये ही हमारा रिकॉर्ड रहा है। तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि पीओके के मुद्दे पर यह किसी एक पार्टी की स्थिति नहीं बल्कि पूरे देश की स्थिति है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर भारत की संसद ने एकजुट रुख अपनाया, देश के हर राजनीतिक दल ने उस रुख का समर्थन किया है। इसलिए हम यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि पीओके भारत का हिस्सा नहीं है।

इंदौर में मंदिर में मौसेरे भाई-बहन की हत्या

विजय मत, ब्यूरो इंदौर। इंदौर के भंवरकुआं में गुरुवार दोपहर एक छात्र ने एकतरफा प्यार में लड़की और उसके मौसेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर कुछ दूर जाकर सुसाइड कर लिया। तीनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाकर पुलिस जांच में जुट गई है। एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह ने बताया कि जूनी इंदौर की रहने वाली स्नेहा जाट और उसका मौसेरा भाई दीपक जाट गुरुवार दोपहर स्वामी नारायण मंदिर गए थे। यहां स्नेहा का परिचित अभिषेक यादव भी पहुंच गया। अभिषेक, स्नेहा और दीपक मंदिर में बैठकर करीब आधे घंटे तक बातें करते रहे। इसी दौरान विवाद होने पर अभिषेक ने पिस्टल से दोनों पर फायरिंग कर दी।

हेल्थ न्यूज | **देश में हर दूसरी महिला एनीमिया ग्रस्त, अब तक दिए जाते थे पांच-छह डोज**

महिलाओं में खून की कमी दूर करेगा एक टीका

नई दिल्ली, एजेंसी

गंभीर एनीमिया की परेशानी से जूझ रही गर्भवती महिलाओं में स्वदेशी टीके का एक डोज ही कारगर होगा। अभी तक ऐसी गंभीर मरीजों के लिए पांच से छह डोज का इंजेक्शन मौजूद था। वहीं समस्या बढ़ने पर ऐसी गर्भवती महिलाओं में खून चढ़ाने की जरूरत पड़ जाती थी। विशेषज्ञ की माने तो देश में हर दूसरी महिलाओं में एनीमिया की समस्या है। जबकि तीन फीसदी फीसदी महिलाओं में समस्या गंभीर हो जाती है। ऐसी महिलाओं को यदि समय पर इलाज न मिले तो मौत तक हो सकती है। इसे देखते हुए एम्स ने साल 2013 में एक शोध शुरू किया। इस शोध के तहत आईवी (इंट्रावेनस) आयरन इंजेक्शन तैयार किया। यह स्वदेशी टीका एक डोज का है। इसकी मदद से महिलाओं में आयरन की कमी पूरी हो जाती है। इस शोध के बारे में एम्स के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. कपिल यादव ने बताया कि देश में तीन फीसदी महिलाओं में गंभीर एनीमिया पाया जाता है। ऐसी महिलाओं में ब्लड चढ़ाना पड़ता है या गर्भवती महिलाओं को आयरन के पांच से छह इंजेक्शन देने पड़ते हैं। हर सप्ताह एक इंजेक्शन लगता है लेकिन कई गर्भवती महिलाएं सभी इंजेक्शन नहीं ले पातीं। इन विदेशी फेरी कार्बोक्सीमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन को किडनी व कैंसर मरीजों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। इसकी कीमत भी तीन से पांच हजार रुपये होती है। जबकि स्वदेशी टीके को भारतीय मूल की महिलाओं में होने वाली एनीमिया की समस्या को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसका ट्रायल भी सफल रहा। पिछले दो साल से एम्स में यह गर्भवती महिलाओं को दिया जा रहा है। इस टीके के परिणाम सुरक्षित और असरदार पाया गया।

दाम हुआ सस्ता... डॉ. यादव ने कहा कि देश में हर महिला तक महंगा इंजेक्शन पहुंच पाना मुश्किल है। ऐसे में इस समस्या को देखते हुए मौजूदा इंजेक्शन के मालिक्यूल में थोड़ा बदलाव कर जेनेरिक स्वदेशी इंजेक्शन तैयार किया है। अब इसकी कीमत 300 रुपये तक आ गई है। दाम 10 से 15 गुना तक कम होने के बाद यह आम महिलाओं की पहुंच जाएगी।

एनीमिया मुक्त भारत का बना हिस्सा... डॉ. यादव के अनुसार इस टीके को एनीमिया मुक्त भारत के वर्ष 2024 के निर्देश में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में उम्मीद है कि अगले कुछ माह में यह राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत गंभीर एनीमिया से पीड़ित महिलाओं को निशुल्क सुविधा मिलेगी।

न्यूज इन शॉर्ट

कलेक्टर ने मतदान दलों पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्य का लिया जायजा

अनूपपुर । लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 19 अप्रैल को शहडोल संसदीय क्षेत्र में मतदान होगा जिसे मद्देनजर नजर रखते हुए मतदान दलों के रेंडमाइजेशन के पश्चात गठित मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण पीठासीन अधिकारी क्रमांक 1, 2 एवं 3 को शासकीय एकलव्य विद्यालय के ऑडियोटोरियम के 13 कक्षा में मतदानदलो को उनके निर्वाचन उत्तर दायित्वों से अवगत कराने तथा ईवीएम एवं वीवीपैट के प्रक्रिया के साथ ही चुनाव की बारीकियों से अवगत कराने के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा नोडल अधिकारी स्वीप तन्मय वशिष्ठ शर्मा मतदान दलो के प्रशिक्षण कार्यक्रम का जायजा लिया।इस दौरान पीठासीन अधिकारी क्रमांक 1, 2 एवं 3 को राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण दे रहे थे। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण में बताई गई बातों के संबंध में तथा ईवीएम एवं वीवीपैट के संबंध में जानकारी ली। पीठासीन अधिकारियों के प्रशिक्षण में मतदान प्रक्रिया एवं ईवीएम, वीवीपैट के बारे में रखी जाने वाली सावधानी, चलित मतदान दल की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने सामग्री प्रबंधन एवं पोस्टल बैलेट प्रबंधन का लिया जायजा

अनूपपुर / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित सामग्री प्रबंधन एवं पोस्टल बैलेट प्रबंधन कक्षों का जायजा लिया। उन्होंने जायजा लेते हुए की जा रही कार्यवाही के संबंध में नोडल अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशानिर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नगरीय निकाय उमरिया में फ्लैक्स के माध्यम से दिया जा रहा मतदान करने का संदेश

उमरिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 12 अनुसूचित जन जाति शहडोल संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 19 अप्रैल को संपन्न होगा। मतदान मे अधिक से अधिक मतदाता अपने मत की आहुति दे, इसके लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके , मतदाताओ को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है ।

नगरीय निकाय उमरिया अंतर्गत विभिन्न जगहो पर मतदाता जागरूकता अभियान के तहत फ्लैस लगाए गए है । फ्लैक्स के माध्यम से समझदार की क्या पहचान- उंगली पर स्याही का निशान, घर से वोट करने की सुविधा डाकमत पत्र, लोक सभा निर्वाचन 2024 मे शत प्रतिशत मतदान, यूथ चला बूथ का संदेश दिया जा रहा है ।

सशक्त और मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक:कमिश्नर

विजय मत, शहडोल।

कमिश्नर शहडोल संभाग बीएस जामोद ने कहा है कि लोकतंत्र को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए मतदान आवश्यक है। उन्होनें कहा है कि मतदान से हमारा लोकतंत्र मजबूत होता है, हम मतदान कर लोकतांत्रिक प्रणाली में निर्णय लेने में अपनी भागीदारी निभाते हैं। उन्होने कहा है कि 19 अप्रैल को शहडोल संभाग में लोकतंत्र का महापर्व है सभी मतदाता मतदान केन्द्रों में जाकर मतदान करें और लोकतंत्र को मजबूत और सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं। कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद आज उमरिया जिले के ग्राम पंचायत कुशमहा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीजीपी शहडोल जोन श्री डीसी सागर ने कहा कि हमारा लक्ष्य शहडोल संभाग में शत प्रतिशत मतदान करना है, यह हमारा दायित्व और कर्तव्य भी है। हम सब को शत प्रतिशत मतदान का संकल्प लेकर 19 अप्रैल 2024 को मतदान कर इसे चरितार्थ भी करना है। उन्होनें कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी को भागीदार बनना चाहिए।

इस अवसर पर जन अभियान परिषद के कलाकारों द्वारा नुक्क? नाटक के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इसी प्रकार स्थानीय छात्र-छात्राओं ने लोकनृत्य के माध्यम से 19 अप्रैल को मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने का संदेश दिया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरक गीतों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद द्वारा पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। वहीं बजुर्ग और जागरूक मतदाताओ को कार्यक्रम में सम्मान भी किया गया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के पूर्व कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद ने ग्राम देवता की पूजा अर्चना की तथा मतदाता जागरूकता रैली में शामिल होकर मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभय सिंह, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश, सहित अन्य अधिकारी साथ रहे।

युवक से की डंडे से मारपीट, मौत

उमारिया। कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कोइलारी स्थित खेत में नरवार निवासी कमलेश पिता बुद्धू यादव उम्र करींब 35 वर्ष गम्भीर हालत में मिलने का समाचार प्रकाश में आया है। युवक के सर ,पैर समेत शरीर मे ?ई जगह गम्भीर चोट के निशान है। बताया जाता है कि घायल युवक का प्राथमिक उपचार कर जबलपुर रेफर कर दिया गया । घायल कमलेश पिता बुद्धू यादव को गम्भीर हेड इंजुरी थी,जिस वजह से जबलपुर रेफर से पूर्व जिला अस्पताल में मौत हो गई है।पुलिस अब इस पूरे मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना करेगी।आपको बता दे मारपीट की इस घटना में मृत युवक के शरीर का शायद ही कोई अंग चोटिल होने से बचा होगा,कुल मिलाकर बुधवार की देर रात आरोपियों ने हाकी ,डंडे,लाठी से मृत युवक को जमकर मारा है,इस घटना में ?ई हॉकी,डंडे एवम लाठी मौके पर घटना के दौरान टूट भी गए है,साक्ष्य के रूप में पुलिस ने दूसरे सामग्रियों के साथ मौके से रक्तरंजित लाठी डंडे भी जप्त किये है। घटना की जानकारी लगते ही शहडोल जोन के ए डी जी पी ने उमारिया पहुँचकर घटना की जानकारी प्राप्त की एवं घटना स्थल का निरीक्षण किया।

पिता नमकीन के बहाने भट्टी के सामने तो बेटा (होल्डर) गली गली पहुंचाता है शराब

विजय मत, कोतमा।

कोतमा में अवैध शराब और आईपीएल सट्टा का सरताज बना राहुल ऊर्फ (होल्डर) पिता की काली कमाई ने बेटे को भी अय्याश बना दिया है। बेटे ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी है। कोतमा में गली गली अवैध शराब और आईपीएल सट्टा की दुनिया में कदम रख कर अंगद की तरह पैर जमाया हुआ है।

कोतमा शराब और आईपीएल का स्पॉट बन गया नगर , नगर में इन दिनों होल्डर का नाम काफी उजागर हो रहा है। पिता की काली कमाई बेटे को अय्याश बनने में कोई कमी नहीं छोड़ा। कोतमा अंग्रेजी शराब दुकान के सामने नमकीन बेचने के बहाने ऑफिसर चॉइस के 180 एमएल अवैध शराब का धंधा वर्षो से चला आ रहा है। और बेटा गली गली अवैध शराब की डिलीवरी करने में कोई कसर नहीं छोड़ता आईपीएल सट्टा की दुनिया में कदम रखने के बाद कोतमा के अंदर सरताज बना राहुल के अवैध काली कमाई पर रोक लगाने में नाकामयाब साबित होती कोतमा पुलिस के हाथ खाली थाना से चंद दूरी से अवैध धंधों का संचालन कर रहा है। अवैध शराब और आईपीएल सट्टा की काली कमाई होल्डर को इतना भा गया है, कि वर्तमान और भूत का ज्ञान भी नहीं है। बेटा की काली कमाई के बारे में यदि कोई जानना भी चा रहा है। तो अपने काली करतूतों को छुपाने के लिए फेसबुक में किसी भी हद में जाने को तयार है। साबित के नाम पर हाथ खड़ा करना ये होल्डर की पुरानी आदत बन गई है। किसी पर इल्जाम लगा देना और उसे साबित करना इसमें जमीन आसमान का अंतर है। पिता नमकीन के बहाने अवैध शराब का गोरखधंधा कर मोटी काली कमाई कर बेटे को अय्याश बना छोड़ दिया है। बेटे की काली करतूत का पर कही पिता का तो हाथ नही। नगर में चर्चा के दौरान होल्डर की काली कमाई की लंबी लिस्ट मिलती है।

अब नाला भी चढ़ेगा भ्रष्टाचार की भेंट

उप यंत्री नोटिस तक सीमित, ठेकेदार की मनमर्जी जारी

विजय मत, कोतमा।

अनूपपुर जिले के कोतमा नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 5 स्थित शिव सागर तालाब की पानी निकालने हेतु शिवसागर तालाब से केरहानाला तक नाले का निर्माण करने का जिम्मा नगर पालिका ने ठेकेदार को दे कर रखे है ! यहां पर ठेकेदार अपनी मनमर्जी चलते हुए नाले में गुणवत्ता की अनदेखी व नियमों की विपरीत कार्य करने में जुटा हुए है ! ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी नगर पालिका में बैठे सीएमओ व उप यांत्रिक को ना हो इसके बावजूद किसी ने अभी तक कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई ! जिसका नतीजा है कि मनमर्जी तरीके से निर्माण कार्य जारी है ! जानकारी के अनुसार एक करोड़ 30 लाख की लागत से बनाई जा रही 1100 मीटर की लंबाई के नाले में ठेकेदार जमकर भ्रष्टाचार करने में उतारू है ! नगर पालिका के उप यंत्री ओमवती तिवारी महज ठेकेदार को नोटिस देने तक सीमित रहे ! बताया गया कि बरसात के दिनों तालाब में अधिक पानी भर जाने से ओवरफ्लो होने के कारण आसपास में पानी भराव की समस्या होती थी, जिसे देखते हुए नगर पालिका ने नाले का निर्माण कराने बरसात की पानी को सीधे नदी में छोड़ने का स्टीमेट बनाते हुए टेंडर निकला था ! लेकिन जिस प्रकार नाले का निर्माण कार्य किया जा रहा है इससे या प्रतीत होता है कि करोड़ों की राशि की होली खेली जा रही है ! और इसमें जिम्मेदार मौन साधे बैठे हुए हैं ! जब हमने वार्ड क्रमांक 5 में चल रहे निर्माण कार्य स्थल पर पहुंच देखा तो निर्माण कार्य में बहुत सी कमियां सामने आई ! हालांकि एस्टीमेट की माने तो 1 मीटर लंबा 1 मीटर चौड़ा नाले का निर्माण होना था लेकिन कई जगह तो ऐसे हैं जहां पर ना तो एक मीटर लंबा है ना हीं 1 मीटर चौड़ा कुल मिलाकर ठेकेदार राशि हड़पने के चक्कर में निर्माण कार्य पर धांधली करने में लगा हुआ है ! जब इस संबंध में हमने उप यंत्री से बात की तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि ठेकेदार पहले नाले के निर्माण कार्य में राड का उपयोग ही नहीं किया था जिस पर मौके में पंचनामा बनाते हुए ठेकेदार को नोटिस दी गई थी ! हालांकि उप यंत्री निर्माण स्थल पर नहीं खड़े रहते इसलिए ठेकेदार अपनी मनमानी करते हुए पतली राड लगाकर नाले के निर्माण में लगा हुआ है ! अगर ऐसा ही रहा तो जो मनसा नगर पालिका की रही की बरसात का पानी आसपास के लोगों के घरों में ना भरे वह मनसा अधूरी रह जाएगी ! आने वाले दिनों में फिर से बरसात का पानी लोगों के घरों में भरेगा !

खनिजों का अवैध उत्खनन करने पर 9 ट्रैक्टर एवं 01 जे.सी.बी जप्त

अनूपपुर। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा बुधवार को तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम मेढाखार एवं सरईपतेरा में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान खनिज पत्थर के अवैध उत्खनन में 6 वाहन ट्रैक्टर मय ट्राली तथा तहसील कोतमा के ग्राम खोडरी नम्बर-2 से खनिज मुरुम के अवैध उत्खनन में 03 ट्रैक्टर एवं 01 जे.सी.बी. मशीन को जब्त कर कार्यवाही की गई। प्रकरण में नियमानुसार अवैध उत्खनन का प्रकरण पंजीबद्ध कर निराकरण हेतु न्यायालय कलेक्टर अनूपपुर में प्रेषित किया गया है।

अभद्रता पर मामला कायम

उमरिया । मानपुर थाना अंतर्गत परासी मोड मैनहाहार मे आरोपी के द्वारा फरियादी से गाली गालौच कर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। फरियादी संतोष यादव पिता राम सुहावन यादव उम्र 40 साल निवासी बल्हौड की षिकायत पर आरोपी बाबू यादव, अशोक यादव, अमित यादव, संगीता यादव, सभी बल्हौड निवासी के द्वारा फरियादी से गाली गालौच करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 294,323,506,34 भादवि के तहत मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही हैं।

मतदाता जागरूकता खेल प्रतियोगिताओं का मेगा इवेंट संपन्न

विजय मत, अनूपपुर।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत दो दिवसीय 3 एवं 4 अप्रैल 2024 को शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर के खेल परिसर मैदान पर सुबह 7:00 से वालीबाल, बास्केटबाल, क्रिकेट टेनिस बॉल लॉनटेनिस एवं एथलेटिक्स विधाओं का मेगा इवेंट्स आयोजित किया गया। जिसमें अंतर्गत वॉलीबॉल प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी स्विप तन्मय वशिष्ठ शर्मा द्वारा पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पुष्पराजगढ़ टीम विजेता तथा जैतहरी टीम उप विजेता, टेनिस बॉल क्रिकेट में एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर टीम विजेता तथा अमलाई कालरी टीम उप विजेता, बास्केटबॉल में कोतमा टीम विजेता एवं अनूपपुर टीम उप विजेता, सिंगल लॉन टेनिस में विजेता कल्याण सिंह उपविजेता अंशुमन पटनायक, डबल लॉन टेनिस विजेता मोहन यादव एवं रविंद्र कुशवाहा तथा उपविजेता कल्याण सिंह एवं चेतराम निषाद विजय रहे। इसी प्रकार 400 मीटर बालिका दौड़ प्रतियोगिता में खुशबू देवी प्रथम, स्वाति सिंह द्वितीय एवं पूनम सिंह तृतीय रही। 200 मीटर बालिका दौड़ में प्रगति सिंह प्रथम रिया सिंह द्वितीय एवं रवीना सिंह तृतीय रही। इसी प्रकार 100 मीटर बालिका दौड़ में आकांक्षा सिंह प्रथम, राजेश्वरी देवी द्वितीय एवं नेहा सिंह तृतीय रही। 100 मीटर बालक दौड़ में दुर्गेश सिंह पुष्पराजगढ़ प्रथम, सोहेल खान अमलाई द्वितीय एवं मोहन सिंह अमरकंटक तृतीय रहे, 200 मीटर बालक दौड़ में आदित्य बेक बिजुरी प्रथम दुर्गेश सिंह ईएमआरएस द्वितीय एवं गुलशन कुमार अमरकंटक तृतीय रहे एवं 400 मीटर बालक दौड़ में धनेश्वर सिंह अमरकंटक प्रथम अखिलेश सिंह ईएमआरएस द्वितीय तथा देवेंद्र सिंह एमआरएस तृतीय विजेता रहे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ ने मतदाता जागरूकता खेलकूद प्रतियोगिता में सहभागी खिलाड़ियों से अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता की मतदान करना जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि कर्तव्य भी है ।

मनमानी

नियम एवं शर्तों के विपरीत हो रहे संचालित

फर्जी रजिस्ट्रेशन के आधार पर जिले में संचालित आधा दर्जन नर्सिंग कॉलेज

विजय मत, अनूपपुर।

मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में नियम कानून को ताक में रखकर नर्सिंग कॉलेज का संचालन किया जा रहा है जिसको लेकर 2023 में हाईकोर्ट ने नर्सिंग कॉलेज के जांच के आदेश दिए थे जिसके बाद सीबीआई लगातार जिलों में जाकर नर्सिंग कॉलेज पर छापा कार्यवाही कर उनके दस्तावेज और उनके द्वारा छात्रों को दी जाने वाली सुविधाएं और भवन को लेकर जांच कर रही है। अनूपपुर जिले के कोतमा नगर में एक ऐसा मामला सामने आया जहां रातों-रात नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड लगाकर कंप्यूटर कॉलेज को नर्सिंग कॉलेज के रूप में तब्दील कर दिया गया। सीबीआई देखते रही और केआइसीटी नामक कंप्यूटर कॉलेज में नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड चढ़ गया, भ्रष्टाचार कहें या घोटाला पर छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के लिए शिक्षा के दलाल द्वारा नर्सिंग होम को अपना बड़ा बिजनेस बना रखा है। कोतमा कॉलेज मोड़ के पास संचालित होने वाले कंप्यूटर कॉलेज में अचानक मां नर्मदा नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड लगा देख लोग हैरत में पड़ गए, वही जब उक्त कालेज में बोर्ड लगाया जा रहा था तब सीबीआई खड़े होकर उसे देख रही थी। निवास करने वाले सीबी सिंह द्वारा फर्जी नर्सिंग कॉलेज का संचालन कागजों में किया जा रहा था लेकिन वस्तु स्थिति में ना तो किसी भी कॉलेज का संचालन हो रहा था और ना ही किसी प्रकार की बिल्डिंग या भवन का निर्माण कॉलेज के लिए हुआ था आश्चर्य की बात तो यह है कि सालों से चल रहे इस नर्सिंग कॉलेज पर किसी भी बड़े अधिकारी या कर्मचारी की ना तो नजर गई और ना ही किसी प्रकार की कार्यवाही हुई है।

सतर्क हुए अवैध नर्सिंग कॉलेज संचालक

नर्मदा नर्सिंग कॉलेज में सीबीआई की रेड पडने के बाद अनूपपुर जिले के अधिकांश नर्सिंग कॉलेज सतर्क होकर अपनी दस्तावेज दुरुस्त करने में लग गए हैं वही मैनेजमेंट का खेल भी तेजी से शुरू हो गया है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अनूपपुर में संचालित होने वाले पांच से छह नर्सिंग कॉलेज लगातार सीबीआई के संपर्क में बने हुए हैं इसके साथ ही आसपास के अधिकारी एवं कर्मचारियों से सांठगांठ कार कर दस्तावेज मजबूत करने के लिए गांधी के बल पर कार्य कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संजीवनी अस्पताल और उसके अन्य नर्सिंग कॉलेज से संवाददाता रखने वाले हॉस्पिटलों की भी जांच की जानी चाहिए क्योंकि संबद्धता के नियम का उल्लंघन करते हुए नर्सिंग कॉलेज और हॉस्पिटलों का संचालन किया जा रहा है। संबंधता के लिए जिन हॉस्पिटलों को चयनित किया गया है या संबद्धता की गई है। उन पर 50 बेड का हॉस्पिटल दर्शाया गया है। लेकिन अस्पताल दर्शाने के बाद किसी भी प्रकार की फैसिलिटी ना तो छात्रों को उपलब्ध हो रही है और ना ही अस्पताल संचालक के मरीजों को वहां इसकी सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में संजीवनी हॉस्पिटल की भी जांच की जानी चाहिए कि संवाददाता के नियम का उल्लंघन करते हुए आखिर क्यों नर्सिंग कॉलेज से संबंधता देकर संरक्षण दिया गया है।

सीबीआई खंगाल रही दस्तावेज

जिले में फर्जी तरीके से संचालित हो रहे नर्सिंग कॉलेज में से कोतमा का माँ नर्मदा नर्सिंग कॉलेज में आज सुबह सीबीआई ने रेड मार दी, मिली जानकारी के अनुसार कोतमा के समीप ग्राम गोहन्ड्रा नर्सिंग कॉलेज कागजो में संचालित होना बताया जा रहा था। सीबीआई की टीम रेड मारने पहुंची तो सब कुछ बदला हुआ दिखाई दिया जहां रात में बोर्ड तक नही था माँ नर्मदा नर्सिंग कॉलेज का सुबह संचालक को भनक लगते ही केआईसीटी जो माखनलाल चतुर्वेदी कॉलेज से संबद्धता है और यहां पर कम्पूयटर सम्बंधित कोर्स संचालित किया जा रहा था वही मां नर्मदा नर्सिंग कॉलेज का बोर्ड टांग दिया गया। सीबीआई लागातार हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद से इस तरह फर्जी तरीके से चल रहे नर्सिंग कॉलेजों की जांच कर रही है। फिलहाल सीबीआई दस्तावेज जप्त कर कार्यवाही कर रही है।

न्यूज इन शॉर्ट

वोटर सेल्फी पॉइंट में सेल्फी ले कर दिया गया मतदान का संदेश

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शत-प्रतिशत मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी अनुक्रम में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में वोटर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। वोटर सेल्फी पॉइंट में मतदाताओं ने सेल्फी ली एवं मतदान का महत्व बताया। मतदाताओं ने कहा वोट हमारा है अधिकार इसे हम न करें बेकार, जन जन की है यही पुकार वोट डालो अबकी बार। साथ ही आगामी 19 अप्रैल को मतदान करने की अपील भी की।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सफाई कामगारों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

बुढार।नगर परिषद के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली नगर में निकाली गई जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने हाथों में दवति लेकर मतदान से संबधित स्लोगन सारे काम छोड़ दो सबसे वोट दो के नारे लगाते हुए नगर के लोहिया चौक, कोतमा रोड, रेलवे मार्केट होते हुए वापस नगर परिषद चौक पहुंचे।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केन्द्रों कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा नगर में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदान के प्रति जागरूक किया गया तथा 19 अप्रैल को मतदान करने की अपील नगर परिषद एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा के द्वारा नगर के मतदाताओं से की गई। रैली में सीएमओ शिव प्रसाद धुर्वे एवं स्वच्छता प्रभारी सुश्री रागिनी चुटहेल सहित, सफाई कामगार एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में नलकूप खनन व समस्त जल स्त्रोतों का उपयोग प्रतिबंधित

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तरूण भटनागर ने ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए आदेश जारी कर मध्यप्रदेश पेयजल परीरक्षण संशोधित अधिनियम 1986 की धारा-3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये शहडोल जिले को पेयजल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित होने के कारण जिले में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति बनाये रखने हेतु अधिनियम की धारा-5 एवं 7 के अनुसार जिले की सीमा में किसी भी प्रकार के प्रयोग हेतु नलकूप खनन एवं समस्त जल स्त्रोतों का उपयोग आगामी आदेश तक पेयजल हेतु छो?कर अन्य कार्यों के लिये प्रतिबंधित किया है। जिारी आदेश में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग एवं नगरीय क्षेत्र में नगरीय निकाय पेयजल प्रयोजन के लिये नलकूप खनन कर सकते हैं, शेष सभी के लिये नलकूप खनन पूर्णतः आगामी आदेश तक प्रतिबंधित रहेगा। जिले की सीमा में आम इंसान, जानवरों के उपयोग के पेयजल स्त्रोतों का सिंचाई या अन्य प्रयोजन के लिये उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है। किसी भी प्रकार से आम इंसान, जानवरों के उपयोग के पेयजल स्त्रोतों का उपयोग सिंचाई या अन्य प्रयोजन हेतु नहीं किया जायेगा। यह प्रतिबंध लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा पेयजल व्यवस्था हेतु खनन किये जाने वाले नलकूपों एवं पूर्व से सिंचाई के उपयोग हेतु निर्धारित स्त्रोतों पर लागू नहीं होगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अव्यवस्थाओं का अंबार

मरीज होते हैं परेशान, मरीजों द्वारा ब्लड बैंक की मांग

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार में अव्यवस्थाओं का अंबार है। सच तो ये है कि स्वास्थ्य केंद्र बीमार है और सेवाएं यहां बदहाल हैं। स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक नहीं बैठते हैं। जिस वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना प? रहा है। सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कई योजनाएं ग्रामीण अंचल में चलाई जा रही हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना इस मकसद से कराई गई थी कि लोगों को बेहतर उपचार वहां मिल सके, लेकिन जो सरकारी सिस्टम की लापरवाही की वजह से लोग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य केंद्र बदहाली के शिकार–ग्रामीण क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य केंद्र बदहाली के शिकार है। सुविधाओं के नाम पर यहां कुछ भी नहीं है। ग्रामीणों का आरोप है कि चिकित्सक कभी-कभी आते हैं। पानी की समुचित व्यवस्था है ना कोई चिकित्सा सुविधा। स्वास्थ्य केंद्र परिसर में उपले, गंदगी नजर आती है। स्वास्थ्य केंद्र की हालत देख कर लगता ही नहीं कि यहां चिकित्सा लाभ मिल सकता है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते यहां के लोगों को सस्ती सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्वास्थ्य विभाग को ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों की ओर ध्यान देना होगा, जिससे लोग चिकित्सा सेवा का लाभ उठा सकें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गंदगी का आलम– सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों लचर

व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में हैं। रखरखाव एवं साफ सफाई के अभाव में स्वास्थ्य केंद्र के अंदर बाहर गंदगी का आलम व्याप्त हैं। जिसकी वजह से स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीजों के साथ परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना प? रहा हैं। साफ सफाई का यही आलम रहा तो यह कचरा स्वास्थ्य केंद्र की सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो जायेगा। यह सब देखने के बाद भी जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं। जिसकी वजह से स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति दिनोंदिन बदहाल होने लगी हैं।

मरीजों को नहीं मिल रही बेहतर चिकित्सा सुविधा–सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढार में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रही है, जिस कारण उन्हें बिना इलाज कराए ही वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति में मरीजों को निजी डॉक्टरों या झोलाछाप से ही इलाज कराना पड़ रहा है। इन दिनों गर्मी के चलते ओपीडी में मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर दिन में ही नदारद रहते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है।

झोलाछाप डॉक्टरों को मिल रहे है फायदा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर न मिलने के कारण नगर के बिना डिग्रीधारी झोलाछाप डॉक्टरों को लाभ मिल रहा है। वे भोले भाले गरीबों का इलाज कर उनसे मोटी रकम तो वसूल ही रहे है। साथ ही वे उनकी जान के साथ खिलवाड़ भी कर रहे है। गलत इलाज से कई बार मरीजों को अपनी जान तक गवाना पड़ी है, लेकिन प्रशासन न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टरों पर कोई कार्रवाई करता है और न ही झोलाछाप डॉक्टरों पर।

नहीं है बेहतर जांच सुविधा–बलदेव यादव निवासी अमलई ने बताया कि उन्हें अपने बच्ची के खून का जांच करना था, वह दोपहर 12.00 बजे आए थे और दोपहर के 2.00 तक उनके बच्चे के खून का जांच नहीं हो पाया वह पिछले दो घंटे से इंतजार कर रहे हैं पर कोई भी चिकित्सकीय अमला ध्यान नहीं दे रहा है, वह अत्यंत परेशान है। इसी प्रकार अन्य लोग जो जांच करने बैठे थे वह भी घंटे से इंतजार कर रहे थे पर उनका कोई जांच समय पर नहीं हो रहा था।

बेहतर नहीं है इंतजाम–सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता के साथ, न ही बेहतर डॉक्टर हैं, ना ही चिकित्सा की अम्ल है। भर्ती मरीज कल्लू रजक ने बताया कि यहां समय पर सफाई कर्मी साफ सफाई करने नहीं आते तथा यहां व्हीलचेयर, स्ट्रक्चर, बेड इत्यादि की सुविधा नहीं है।

चीतल शिकार मामले का मास्टरमाइंड ग्राम सचिव गिरफ्तार,बंगाली डॉक्टर समेत दो फरार

अनलीगल बंदूक व पिस्टल जब्त होने की खबर,बीटीआर ने सौंपा एसटीएफ को मामला

विजय मत, शहडोल।

होली के एक दिन पहले पनपथा बफर में चीतल के शिकार मामले में ग्राम सचिव राघवेंद्र पिता नागेश्वर प्रताप सिंह निवासी उमरिया-बकेली उम्र करींब 50 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है,यह पहला मामला होगा जब किसी शासकीय कर्मी को शिकार मामले में बांधवगढ टीम ने दबोचा है। इस पूरे मामले को बांधवगढ प्रबन्धन ने विधिवत लिखित आदेश देकर एसटीएफ को सौंपा है।मुखबिर की सूचना पर शिकार मामले में बांधवगढ टीम की इस कार्यवाही से समूचा गांव ग्राम सचिव की गिरफ्तारी से हैरान है।एसटीएफ एवम पार्क टीम की इस संयुक्त कार्यवाही में आरोपी के घर से अनलीगल पिस्टल,बंदूक भी मिलने की खबर है।बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर शिकार मामले में दो और स्थानीय आरोपी बापी विश्वास (बंगाली डॉक्टर) उम्र 38 वर्ष और भागवत पिता रामनाथ साहू उम्र 35 वर्ष को भी नामजद किया गया है। रेड कार्यवाही की भनक लगते ही ये दोनो आरोपी फिलहाल फरार हो गए है।बताया जाता है कि होली के एक दिन पहले बकेली गांव से सटे पनपथा बफर क्षेत्र में आरोपियों ने चीतल का शिकार किया था,इस मामले की जानकारी बांधवगढ प्रबन्धन को मुखबिर द्वारा मिली थी,जिसके बाद से ही बीटीआर टीम एक्टिव मोड पर थी और अंततः चीतर शिकार मामले का मास्टर माइंड ग्राम सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह को गुरुवार की सुबह गिरफ्तार किया गया है।बीटीआर उपसंचालक पीके वर्मा ने शिकार मामले के दो अन्य आरोपियों के जल्द गिरफ्तारी की बात कही है।विदित हो कि आरोपी ग्राम सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह उमरिया, बकेली एवम कोडरी पंचायत का ग्राम सचिव रहा है।अचार संहिता के बीच मिले अवैध रूप से रखे आर्म्स अपने आप मे ब?ा मामला है,इस पूरे मामले में यह भी जांच का विषय है कि आरोपी ग्राम सचिव के कब्जे में इतने आर्म्स कहा से आये और कब आये।

अमलाई ओपन कास्ट में उप क्षेत्रीय प्रबंधक का पदभार की रमन्ना ने ग्रहण किया

विजय मत, शहडोल।

एसईसीएल बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा अमलाई ओपन कास्ट में पदस्थ रहे उपक्षेत्रीय प्रबंधक जुल्फिकार अख्तर अंसारी के स्थानांतरण होने के बाद यहां पर पी रमन्ना को उपक्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर स्थानांतरित किया था जिन्होंने आज आकर अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

एसईसीएल सुहागपुर एरिया में देखा जाए तो यह ओपन कास्ट कोयला उत्पादन को लेकर अपनी पहचान रखती है लगातार कई वर्षों से अपने वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को भी पूरा कर रही है पूर्व में यहां पर जुल्फिकार अख्तर अंसारी पदस्थ थे जिन्होंने 2023 24 का वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य पूरा करने में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कुछ दिनों पूर्व उनका स्थानांतरण कोल इंडिया के द्वारा नागपुर के लिए किया गया था और उनके स्थान पर कुछ मुंडा एरिया में पदस्थ रहे पीर रमन्ना को यहां की जिम्मेदारी दी थी आज दोपहर उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया और काम भी शुरू कर दिया।

उप क्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना ने कहा कि मुख्यालय के द्वारा जो वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 2024 25 का दिया गया है उसे पूरा करना उनकी प्राथमिकता में होगा इसके साथ में कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान भी समय रहते किया जाएगा खदान को बेहतर तरीके से संचालित करने को लेकर पूरे प्रयास किए जाएंगे और निश्चित ही सभी के सहयोग के साथ कोयला उत्पादन बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में दीवार लेखन कर मतदान के प्रति कर रहे जागरूक

विजय मत, उमरिया।

स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत शासकीय रणविजय प्रताप सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय उमरिया मध्य प्रदेश के प्राचार्य डॉ.सी बी सोंधिया के निर्देशन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी व जिला संगठक डॉ. अरविंद शाह बरकड़े के मार्गदर्शन पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उमरिया के स्वयंसेवक हिमांशु तिवारी द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में डोर टू डोर कैंपेन, मतदाता जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक,गीत एवं साइकिल रैली के माध्यम से लोगों को मतदान हेतु जागरूक व प्रेरित कर रहे है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत स्तर व शहरी क्षेत्र के वार्डों में पहुंच कर दीवारों में मतदाता जागरूकता नारे लेखन कर ग्रामीण व शहर वासियों को 19 अप्रैल 2024 को मतदान दिवस पर मतदान करने हेतु प्रेरित व जागरूक किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक हिमांशु तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र के इस महायज्ञ में सभी अपने-अपनी आहुति प्रदान कर अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग निष्पक्ष और बिना किसी दबाव अथवा प्रलोभन के अपनी इच्छा अनुसार कर जनप्रतिनिधि चुनना चाहिए। हर भारतीय को मतदान करने के अधिकार पर गर्व होना चाहिए मतदान भविष्य का विधाता होता है। युवा मतदाताओं को युवा पीढ़ियों को मतदान के लिए जागरूक करना चाहिए। मतदान से अपने योग्य उम्मीदवार को चयनित करें । एक जिम्मेदार मतदाता ही सभी में जागरूकता ला सकता है। हमें वोट डालने का अधिकार है इसका हमें उपयोग करना चाहिए। मतदान के प्रतिशत को बढ़ाना भी हमारी एक बड़ी जिम्मेदारी है जिससे लोकतंत्र को और मजबूत बनाया जा सके।इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक हिमांशु तिवारी,खुशी सेन,राहुल सिंह,सुमित सेन, व सभी उपस्थित रहे।

प्रवीण कुमार उर्फ मंजू मिश्रा के विरुद्ध मुंचलका अधिरोपित

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तरुण भटनागर ने आदेश जारी किया है कि अपराधी प्रवीण कुमार उर्फ मंजू मिश्रा उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम मसीरा थाना जयसिंहनगर जिला शहडोल मध्य प्रदेश जिसकी वजह से वर्ष 2009 से आपराधिक जीवन में प्रवेश कर थाना जयसिहंनगर क्षेत्र में अनेक अपराध घटित कर आपराधिक एवं गुंडा प्रवृत्ति की गतिविधियों में संयुक्त रहकर जनमानस को सामान्य रूप से स्वतंत्र रहना जीना मुश्किल किया है। अपराधी द्वारा गाली गुप्तार, मारपीट, जान से मारने की धमकी देना, चोरी नकबजनी, शराब पीने के लिए पैसे मांगना जैसे संगीन अपराध घटित करके शान्ति भंग कर भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित किया गया है। अपराधी के विरूद्ध सामान प्रचलित कानून के अंतर्गत कार्यवाही की गई किंतु अपराधी के अपराधिक गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तरुण भटनागर ने अपराधी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए निर्देशित किया है कि अपराधी 1 लाख का बंध पत्र एवं उतने का ही मुंचलका 15 अप्रैल 2024 तक न्यायालय में पेश करें तथा प्रत्येक माह में संबंधित थाना में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। भविष्य में यदि अनावेदक गंभीर अपराधिकृतों में संलग्न पाया जाता है तो उसके विरुद्ध मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

लक्ष्य

एसईसीएल सोहागपुर एरिया ने वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य को पूरा करने में रही सफल

ओवी निकालने में और डिस्पैच में भी बनाया रिकॉर्ड

विजय मत, धनपुरी।

इरादे मजबूत हो और कुछ कर जाने की कार्यकुशलता हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता और कुछ ऐसा ही देखने को मिला है इस वर्ष एसईसीएल सोहागपुर एरिया में जहां पर कोयला उत्पादन का लक्ष्य पूरा करने के साथ ही एक नए कीर्तिमान को बनाने में यह एरिया सफल रही और कई वर्षों से जो घाटा एरिया का बढ़ता जा रहा था उस घाटे पर भी पूरी तरह से रोक लगाने में एरिया सफल रही एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर ने जब सोहागपुर एरिया को वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 2023- 24 का 58 लाख 26 हजार टन दिया गया था और बड़ी ही आसानी से इस उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में सोहागपुर एरिया ने बाजी मार ली कहीं ना कहीं यह उत्पादन लक्ष्य पूरा करना प्रबंधन की कुशल रणनीति का भी एक बड़ा हिस्सा माना जा सकता है

अमलाई ओपन कास्ट ने बनाया रिकॉर्ड–एसईसीएल सोहागपुर एरिया को कोयला उत्पादन का जो वार्षिक लक्ष्य दिया गया था उस लक्ष्य को पूरा करने में अगर किसी खदान ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तो वह अमलाई ओपन कास्ट था वैसे तो मुख्यालय ने अमलाई ओपन कास्ट को 18 लाख टन कोयला उत्पादन करने का लक्ष्य दिया था लेकिन मजबूत इरादों के साथ जो अमलाई ओपन कास्ट कोयले का उत्पादन कर रही थी शायद ही किसी को अनुमान था कि वह अपने लक्ष्य को तो प्राप्त करेगी लेकिन उससे भी कहीं आगे हुआ है कोयला उत्पादन को बढ़ाने में एक ऐसा ऐतिहासिक भूमिका निभाएगी शायद किसी ने इसकी कल्पना नहीं की थी अमलाई ओपन कास्ट के उप क्षेत्रीय प्रबंधक जुल्फिकार अख्तर अंसारी कोयला उत्पादन को लेकर लगातार जिस तरह से काम कर रहे थे कहीं न कहीं इस सफलता के पीछे उनकी यह भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है वैसे तो जब यहां पर ओबी निकालने का टेंडर राधा चेन्नई कंपनी को दिया गया था तो उसने भी इसमें अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसमें भी लाइव ओपन कास्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया और 2000000 टन से भी अधिक कोयला उत्पादन कर इस ओपन कास्ट में एक नए कीर्तिमान को भी स्थापित कर दिया उप क्षेत्रीय प्रबंधक जुल्फिकार अख्तर अंसारी का कहना है कि जो सफलता मिली है उसके लिए वह सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हैं।

इन्होंने किया था समय से पहले अपना कोयला उत्पादन लक्ष्य–एसईसीएल सोहागपुर एरिया की दो भूमिगत खदान जहां पर सीएम प्रोजेक्ट कोयले का उत्पादन होता है उन्होंने समय से पहले ही अपने लक्ष्य को पूरा करने में सफलता पा ली थी लेकिन इन दोनों ही उप क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली दो भूमिगत खदान अपने उत्पादन से थोड़ा पीछे रह गई लेकिन इसकी बड़ी वजह यहां पर जो मुश्किलें थी वह कहीं ना कहीं उत्पादन को कम करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई पहले बात बंगबार दामिनी उप क्षेत्रीय की जाए तो बंगवार को वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 6 लाख 50 हजार टन दिया गया था और फरवरी महीने में ही उसने अपना लक्ष्य पूरा कर लिया था उप क्षेत्रीय प्रबंधक ने यहां पर हुए कोयला उत्पादन की सफलता को लेकर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी वही दामिनी भूमिगत खदान की बात की जाए तो वह अपने कोयला उत्पादन लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गई लेकिन इसके बाद भी उसने 3 लाख 26000 टन कोयला उत्पादन करने में सफलता पाई।अब राजेंद्रा उप क्षेत्रीय प्रबंधक के अंतर्गत देखा जाए तो खैरहा भूमिगत खदान को 8 लाख 19 हजार टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया था और उसने इससे अधिक कोयला उत्पादन लक्ष्य पूरा कर अपने वार्षिक लक्ष्य को पूरा किया उप क्षेत्रीय प्रबंधक विनय कुमार ने मिली सफलता पर सभी अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी और विश्वास दिलाया कि इस वर्ष जो उत्पादन लक्ष्य मुख्यालय के द्वारा दिया गया है उसे पूरा करने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे वही राजेंद्र भूमिगत खदान की बात की जाए तो जहां पर आज के समय में कोयला उत्पादन करना आसान नहीं है लेकिन इसके बाद भी प्रबंधन की कुशल रणनीति के कारण यहां पर करीब डेढ़ लाख टन कोयला उत्पादन हुआ और वह अपने लक्ष्य तो पीछे रह गया लेकिन इसके बाद भी मिली यह सफलता कम नहीं थी।

जहरीले पदार्थ के सेवन से महिला गंभीर

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत जहरीले सेवन से पीड़ित लोरहा निवासी 18 वर्षीय युवती को 108 की मदद से जिला अस्पताल लाया गया है,जहां फिलहाल युवती इलाजरत है। बताया जाता है कि पीड़ित युवती के माता-पिता सुबह 5 बजे महुआ बीनने गए थे,जब वो वापस आये तो घर पर भारी भीड़ थी,जिसके बाद तत्काल 108 की मदद से युवती को परिजनों ने जिला अस्पताल लाया है।इस मामले में पिता ने जो पीडिता की जबानी बताई उसके अनुसार युवती सुबह निस्तार आदि के लिए खेत पर गई थी,इसी बीच पीछे से गांव की कोई महिला आई और पकड़ ली,बाद में जबरदस्ती मुंह मे किसी पदार्थ का सेवन कराया है,जिसके बाद युवती किसी तरह घर पहुंची और बेहोश हो गई,बाद में 108 की मदद से जिला अस्पताल लाया गया है। इस पूरे मामले में क्या सच है,ये तो पुलिस जांच में साफ हो सकेगा,फिलहाल इस पूरी घटना के बाद पीड़ित युवती जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

मजहर खान के विरुद्ध मुंचलका अधिरोपित

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट तरुण भटनागर ने आदेश जारी किया है कि अपराधी मजहर खान पिता लट्टा सहबान खान उम्र 28 वर्ष निवासी पिपरिया तिराहा, थाना सिंहपुर जिला शहडोल मध्य प्रदेश जिसकी वजह से वर्ष 2013 से आपराधिक जीवन में प्रवेश कर थाना खैरहा क्षेत्र में अनेक अपराध घटित कर आपराधिक एवं गुंडा प्रवृत्ति की गतिविधियों में संयुक्त रहकर जनमानस को सामान्य रूप से स्वतंत्र रहना जीना मुश्किल किया है। अपराधी द्वारा गाली गुप्तार, मारपीट, शासकीय कर्मचारियों के कार्य में बाधा डालना, अवैध खनिज उत्खनन कर परिवहन एवं भण्डारण कराना जैसे संगीन अपराध घटित करके शान्ति भंग कर भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित किया गया है। अपराधी के विरूद्ध सामान प्रचलित कानून के अंतर्गत कार्यवाही की गई किंतु अपराधी के अपराधिक गतिविधियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री तरुण भटनागर ने अपराधी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए निर्देशित किया है कि अपराधी 1 लाख का बंध पत्र एवं उतने का ही मुंचलका 15 अप्रैल 2024 तक न्यायालय में पेश करें तथा प्रत्येक माह में संबंधित थाना में अनिवार्य रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें। भविष्य में यदि अनावेदक गंभीर अपराधिकृतों में संलग्न पाया जाता है तो उसके विरुद्ध मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।

संस्थापक
स्व. श्री रामसिपाही शुक्ल

भारत ने किया तेल का खेल

रूस पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों से इस बात की आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत को रूसी तेल की बिक्री कम हो सकती है, जो समुद्र के द्वारा ट्रांसपोर्ट किए जाने वाले रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। पहले ऐसा डर जताया गया था कि रूसी टैंकर समूह पर लगे प्रतिबंध के कारण भारत को तेल आयात करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। पश्चिमी देशों की कोई भी टैंकर कम्पनी रूसी तेल को नहीं ढोएगी। वहीं, तीसरे देशों की कम्पनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से रूसी तेल को ट्रांसपोर्ट नहीं करेंगी। अगर कोई कम्पनी तैयार भी हुई तो वह ज्यादा भाड़ा वसूल करेगी जिससे भारत को रूस से तेल की खरीद में ज्यादा मुनाफा नहीं होगा। अगर ऐसा होता है तो भारत को तेल की खरीद के लिए किसी और देश का रुख करना होगा। हालांकि, यह चिंता बेकार साबित हुई और भारत लगातार रूस से तेल का आयात कर रहा है। अमेरिका ने यूक्रेन पर रूस के हमले की दूसरी वर्षगांठ मनाने और विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत का बदला लेने के लिए फरवरी में प्रतिबंधों का ऐलान किया था। अमेरिकी प्रतिबंधों के निशाने पर रूस का प्रमुख टैंकर समूह सोवकॉम्फ्लोट था। अमेरिका ने इस रूसी टैंकर समूह पर रूसी तेल पर जी-7 की मूल्य सीमा का उल्लंघन करने में शामिल होने का आरोप लगाया था। सोवकॉम्फ्लोट के पास 14 कच्चे तेल टैंकर का बेड़ा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि रूसी टैंकरों पर लगे प्रतिबंध से उसके तेल निर्यात पर प्रभाव पड़ेगा लेकिन भारत ने न तो पहले अमेरिकी और उसके पिट्ठू देशों के प्रतिबंधों की परवाह की है और न ही नए प्रतिबंधों से डरा है। मार्च महीने में भारत का रूस से तेल आयात 6 प्रतिशत बढ़ गया है। तेल से भरे रूसी टैंकर भारतीय बंदरगाहों पर पहले की तरह पहुंच रहे हैं। इससे पहले भारतीय तेल कम्पनियों ने कहा था कि वे रूस से तेल के आयात में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित कम्पनी के टैंकरों का इस्तेमाल नहीं करेंगे लेकिन अब भारतीय कम्पनियों ने अमेरिकी प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ा दी हैं। इससे साफ है कि भारत अपने हितों की रक्षा अच्छी तरह से कर रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस जंग शुरू होने पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए तो यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया। अमेरिका ने भारत पर भी रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए बहुत दबाव बनाया। किसी दबाव में न आते हुए भारत ने कूटनीति से काम लिया। भारत ने दो टूक शब्दों में अपने हितों का हवाला देकर रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखने का फैसला किया।

नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

> दवाओं में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है।

कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दापाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह आवश्यक है कि दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल के भरोसेमंद एवं सख्त नियम बनाए जाये। इन नियमों के दायरे में निर्यात होने वाली दवाएं भी आनी चाहिए और देश में बिकने वाली दवाएं भी, क्योंकि जहां नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं निर्यात होने से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होती है, वहीं इनका उपयोग देश में होने से लोगों का जीवन खतरे में आ जाता है।

यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं अप्रामाणिकता बेचैन करने वाली है। मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है।

दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन्न हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस फार्मूले का तात्कालिक प्रभाव भले ही चमत्कारी लगे किंतु दूरगामी परिणाम घातक हैं। इसका यकृत, गुर्दा तथा पेट के अन्य अंगों पर स्थाई दुष्प्रभाव हो सकता है। पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा। लेकिन यह दवाओं की मिलावट एवं नकली दवाओं के उत्पाद पर नियंत्रण के लिये पर्याप्त नहीं है। यह ठीक है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने कफ सिरप के मामले में एक आवश्यक कदम उठाया, लेकिन ऐसा कदम तो निर्यात होने वाली सभी दवाओं के मामले में उठाया जाना चाहिए। बात केवल निर्यात होने वाली दवाओं का ही नहीं है, बल्कि देश में उपयोग में आने वाली नकली एवं मिलावटी दवाओं का भी है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले एक भारतीय फार्मा कंपनी की ओर से अमेरिका भेजी गई आई ड्राप में खामी मिलने की बात सामने आई थी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

नेचुरल फार्मिंग से किसानों की आय में वृद्धि

संजय गोस्वामी

अनुमान लगाया गया है कि बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिये वर्ष 2050 तक खाद्य उत्पादन में 60 प्रतिशत वृद्धि लाने की आवश्यकता होगी। खाद्य की यह बढ़ती मांग दुनिया भर में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित कर रही है, जो फिर पर्यावरण पर दबाव बढ़ा रही है और स्वयं की मरम्मत कर सकने या प्रतिस्थापित कर सकने की इसकी क्षमता के पार चली गई है। इससे फिर पर्यावरण की गंभीर क्षति की स्थिति बन रही है।प्राकृतिक खेती या नेचुरल फार्मिंग पारंपरिक और आधुनिक कृषि अभ्यासों- दोनों में सुधार के लिये एक नया दृष्टिकोण है, जो पर्यावरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य और समुदायों की रक्षा पर लक्षित है। इसमें भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं से समझौता किये बिना खाद्य उत्पादन को सक्षम करने की क्षमता है।-चूँकि प्राकृतिक खेती में किसी भी सिंथेटिक रसायन का उपयोग नहीं होता है; स्वास्थ्य संबंधी जोखिम और खतरे समाप्त हो जाते हैं। इस प्रकार उत्पादित खाद्य में उच्च पोषण घनत्व होता है और इसलिये यह बेहतर स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नेचुरल फार्मिंग का उद्देश्य लागत में कमी, जोखिम में कमी, समान पैदावार, अंतर-फसल से प्राप्त आय के रूप में किसानों की शुद्ध आय में वृद्धि करके खेती को व्यवहार्य और आकांक्षी बनाना है। नेचुरल फार्मिंग का सबसे तात्कालिक प्रभाव मृदा के जीव विज्ञान–यानी सूक्ष्मजीवों और केंचुओं जैसे अन्य जीवित जीवों पर पड़ता है। यह मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करता है और परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाता है। नेचुरल फार्मिंग किसानों को खेत स्तर पर तथा प्राकृतिक एवं घरेलू संसाधनों का उपयोग करके आवश्यक जैविक इनपुट तैयार करने के लिये प्रोत्साहित करके उत्पादन लागत में भारी कटौती लाने पर लक्षित है।यह एक अनूठा मॉडल है जो कृषि-पारिस्थितिकी पर निर्भर करता है। यह सतत/संवहनीय कृषि अभ्यासों पर आधारित रसायन मुक्त खेती का आह्वान करता है।1990 के दशक के मध्य में सुभाष पालेकर ने इसे हरित क्रांति में व्यवहृत रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों तथा सघन सिंचाई विधियों के विकल्प के रूप में विकसित किया था।इस मॉडल का लक्ष्य उत्पादन लागत को कम करना और हरित क्रांति से पहले की कृषि पद्धतियों पर वापस लौटना है जहाँ उर्वरक, कीटनाशक और सिंचाई जैसे महंगे इनपुट की आवश्यकता नहीं होती है।*प्रति बूंद अधिक फसल- भारत के सकल फसल क्षेत्र का केवल 52 प्रतिशत ही राष्ट्रीय स्तर पर सिंचित है। भारत ने स्वतंत्रता के बाद से महत्त्वपूर्ण प्रगति की है, फिर भी कई खेत अभी भी सिंचाई के लिये मानसून पर ही निर्भर बने रहे हैं, जिससे अधिक फसल उत्पादन की उनकी क्षमता सीमित बनी रही है।भारत में कृषि के तेज़ी से वाणिज्यीकरण के बावजूद, अधिकांश किसान मानते हैं कि अनाज ही हमेशा उनकी मुख्य फसल होगी (न्यूनतम समर्थन मूल्य के अनाज के पक्ष में अधिक झुके होने के कारण) और वे फसल विविधीकरण की उपेक्षा करते हैं।*प्राकृतिक आदानों की तत्काल उपलब्धता का अभाव- किसान प्रायः रासायनिक मुक्त कृषि की ओर आगे बढ़ने के लिये आसानी से उपलब्ध प्राकृतिक आदानों की कमी को बाधा के रूप में देखते हैं। प्रत्येक किसान के पास स्वयं का प्राकृतिक इनपुट विकसित करने के लिये समय, धैर्य या श्रम उपलब्ध नहीं होता है।अतः किसानों को प्रकृतिक खेती पर ध्यान देनी चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

अंसारी की मौत पर बेवजह प्रलाप क्यों?

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत के कुख्यात अपराधी मुख्तार अंसारी की मौत के मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार मौत के बहाने एक बार फिर से तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है। आर्तांकियों और अपराधियों को संप्रदाय से अलग देखने की क़वायद करने वाले कुछ राजनीतिक दल इस मौत को भी सांप्रदायिक चश्मे से देख रहे हैं। जबकि यह सत्य है कि किसी भी अपराधी को सजा उसके स्वयं के कर्म ही देते हैं। लेकिन राजनीतिक दलों को इसमें भी वोट की राजनीति करने का बहाना मिल जाता है। आज उत्तरप्रदेश अपराध मुक्त राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहा है, जिसके कारण अपराध करने वाला अपने कर्म को करने से पहले उसकी होने वाली परिणति को भांप लेता है और संभल जाता है, लेकिन उत्तरप्रदेश के विपक्षी दलों की दिशाहीन राजनीति फिर से उसी मार्ग पर जाने का रास्ता बनाने वाली दिख रही है, जिस मार्ग पर चलकर उत्तरप्रदेश बहुत पीछे हो गया था। आज राजनीति को अपराध से मुक्त करने की आवश्यकता है। ऐसी ही नीति बनाकर राजनीतिक दलों को अपने कदम बढ़ाने चाहिए। लेकिन हम यह भी भली भांति जानते हैं कि इस प्रकार की राजनीति के माध्यम से देश में जिस प्रकार का खेल खेला गया, उससे न तो देश का भला हुआ और न ही उस समाज का ही भला हुआ। आज इस बात से कोई भी व्यक्ति इंकार नहीं कर सकता कि बाहुबल का पर्याय बन चुकी उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब पहले जैसी धमक नहीं है। सरकारों को अपने संकेतों पर चलाने वाले उत्तर प्रदेश में माफिया राज का अंत हो चुका है। उल्लेखनीय है कि लम्बे समय से उत्तरप्रदेश में माफिया राज हावी था, यह माफिया हो चाहता था, राजनीतिक संरक्षण में उसको अंजाम भी देता रहा है। जिसके कारण तमाम अपराधी रंगदारी, हत्या, हत्या के प्रयास और ज़मीन पर कब्ज़ा करने के लिए अपनी दबंगई दिखाते थे, अब वैसी दबंगई नहीं दिखती तो इसके पीछे शासन और प्रशासन की सकारात्मक सक्रियता ही है। उत्तरप्रदेश में बाहुबली नेता के तौर पर स्थापित होकर राजनीति करने वाले मुख्तार अंसारी की मौत पर जमकर राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है, कोई मुख्तार की मौत को हत्या बताने की राजनीति की जा रही है तो कोई इसे वोट कबाड़ने की सीढ़ी बनाने का प्रयास कर रहा है। यह सभी जानते हैं कि मुख्तार अंसारी कोई सामान्य अपराधी नहीं था, उस पर 65 मामले दर्ज थे, जिनमें उसको आठ को सजा भी मिल चुकी है, लेकिन इसके बाद भी इस कुख्यात अपराधी के साथ राजनीतिक दलों का खड़े होना कई प्रकार के प्रश्न पैदा कर रहा है। विपक्षी दल जो आरोप लगा रहे हैं, वे एक अपराधी को समर्थन देने जैसा हैं। इससे यह भी अर्थ निकाला जा सकता हैं कि विपक्ष की राजनीति का आधार भी माफिया ही हैं। आज ज़ब विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से मुख्तार अंसारी की मौत के कारणों की जांच की मांग की जा रही है, तब इसे इसलिए न्यायसंगत कहा जा सकता है कि जांच की मांग करना पूरी तरह से न्यायोचित है, लोकतांत्रिक देश में यह अधिकार सभी को है, लेकिन किसी घटना के बारे निर्णय कर देने की राजनीतिक परंपरा जनता को भ्रमित करने जैसी ही मानी जाएगी। ऐसे में यही कहा जा सकता है कि एक अपराधी को महिमामंडित करके उसके क्रियाकलापों का समर्थन करना राजनीति को अपराध से युक्त करना एक राजनीतिक प्रयास ही माना जाऐगा। यहां एक सवाल यह भी उपस्थित हो रहा है कि मुख्तार अंसारी के परिजनों ने यह स्पष्ट तौर पर कहा था कि उनकी तबियत बहुत ही खराब है, इसलिए यह भी कहा जा सकता है कि हो सकता है कि मुख्तार की मौत बीमारी के कारण ही हुई हो, जिसकी पूरी संभावना भी है, क्योंकि ज़ब उनका परिवार ही गंभीर बीमारी की बात कर रहा हो, तब ऐसे सवाल उठाना राजनीति के अलावा कुछ नहीं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

दैनिक पंचांग

05 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

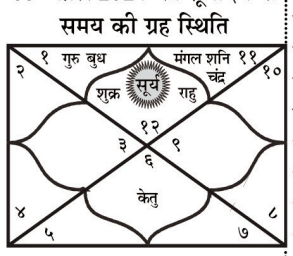

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	कुंभ में
बुध	मेष में
गुरु	मेष में
शुक्र	मीन में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.18 बजे से
वृष	07.58 बजे से
मिथुन	09.56 बजे से
कर्क	12.10 बजे से
सिंह	14.26 बजे से
कन्या	16.38 बजे से
तुला	18.49 बजे से
वृश्चिक	21.03 ब.से
धनु	23.19 बजे से
मकर	01.24 बजे से
कुंभ	03.11 बजे से
मीन	04.44 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 96 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण **तिथि** एकादशी 13.29 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 18.07 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 09.55 बजे को समाप्त। **करण** बालव 13.29 बजे तदनन्तर कौलव 23.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871940
जूलियन दिन 2460405.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान
तारीख 25
विशेष पापमोचनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से 07.23	बजे तक	रोग	05.38	से 07.1	बजे तक
लाभ	07.23	से 08.51	बजे तक	काल	07.11	से 08.43	बजे तक
अमृत	08.51	से 10.19	बजे तक	लाभ	08.43	से 10.15	बजे तक
काल	10.19	से 11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15	से 11.47	बजे तक
शुभ	11.47	से 01.15	बजे तक	शुभ	11.47	से 01.19	बजे तक
रोग	01.15	से 02.43	बजे तक	अमृत	01.19	से 02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43	से 04.10	बजे तक	चर	02.51	से 04.23	बजे तक
चर	04.10	से 05.38	बजे तक	रोग	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत- उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात- स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सदुण बढ़ते और सदुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतर्स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है।

शब्द पहेली - 7967

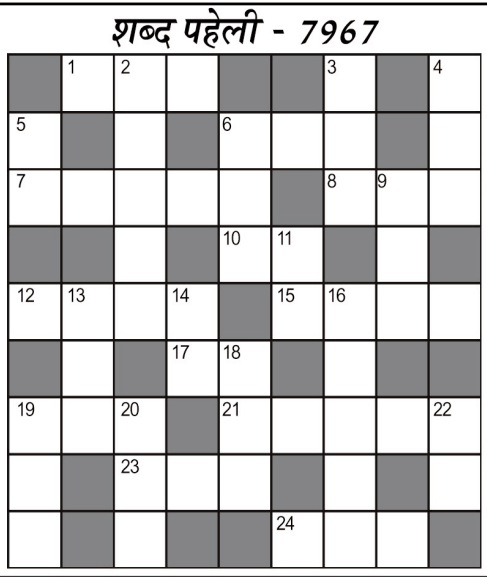

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -7966 का हल

■	भ	क	■	सा	र	सं	भा	ल
का	या	■	व	ज	ह	■	त	प
ग	न	र	■	न	न	द	■	ल
■	क	स	म	■	स	■	पा	पा
ह	■	म	न	मो	ह	क	■	ना
म	स्त	■	भा	■	न	म	क	■
स	■	क	व	च	■	र	म	ल
फ	ना	■	न	र	म	■	त	ब
र	म	ण	■	म	■	शो	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6752

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6751 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

न्यूज इन शॉर्ट

एफएसटी तथा एसएसटी द्वारा रखी जा रही कड़ी निगरानी

सीधी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में एफएसटी तथा एसएसटी दलों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में एफएसटी धौहनी द्वारा 1 लाख 75 हजार रूपये नगद जब्त किए गए हैं। जांच के समय वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर उक्त कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही एफएसटी 3 एवं 4 के प्रभारी अधिकारी जे.पी. झारिया, कमलदेव सिंह, जी.के. मिश्रा एवं वीडियोग्राफर शिवम कुमार शर्मा द्वारा पोड़ी भ्रमण में वाहन चेकिंग पिकअप में 1 लाख 75 हजार रूपये नगद पाया गया। किंतु संबंधित व्यक्ति द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर नगद राशि को जब्त करने की कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन के दौरान धन बल, बाहुबल तथा मादक पदार्थों का दुरूपयोग रोकने के लिए जांच दलों द्वारा तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। 50 हजार रूपये से अधिक नगदी पाए जाने पर वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसी प्रकार अधिक मात्रा में सोनें, चांदी के आभूषण आदि के संबंध में भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। कलेक्टर श्री सोमवंशी द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई है कि यदि कोई व्यक्ति या व्यापारी 50 हजार रूपये से अधिक की नगदी लेकर यात्रा कर रहा है तो उसके संबंध में वैध दस्तावेज आवश्य रखें।

जागरूक करने जिले में स्कूटी रैली का हुआ आयोजन

सीधी। स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदाता जागरूकता के लिए जिला स्तर पर युवा एवं महिला मतदाता जागरूकता हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल राहुल धोटे द्वारा स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। रैली कलेक्टर कार्यालय से प्रारंभ होते हुए अम्बेडकर तिराहा, अस्पताल तिराहा से होते हुए पूजा पार्क तथा गांधी चैक उसके बाद मुख्य बाजार, लालता चैराहा तथा फूलमती माता मंदिर से अमहा तक पहुँची। उक्त स्कूटी रैली में मतदाता जागरूकता टीम, जनसामान्य, महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम, नगर पालिका सीधी की टीम एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की टीम द्वारा ब?च? कर भाग लिया गया। उक्त रैली के माध्यम से महिलाओं एवं नव मतदाताओं को लोकसभा निर्वाचन 2024 में शतप्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

रेलवे कम्पाउंड में लगी आग, लाखों का कबाड़ जलकर खाक

शहडोल जिले के ब्योहारी क्षेत्र अंतर्गत रेलवे कंपाउंड में पुराने पीडब्ल्यूआई कार्यालय में गुरुवार को अचानक आग लग गई। धीरे-धीरे आग की लपटें कार्यालय के पास रखे कबाड़ तक पहुंच गई। इसके बाद वहाँ से बड़ी-बड़ी आग की लपटें उठने लगी। छोटा कार्यालय भी जलकर राख हो गया। आम लोगों ने सूचना दी तो रेलवे विभाग ने नगर परिषद ब्यौहारी के दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल की गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। इसमें कुछ अधिक समय लग गया। तीन घंटे बाद फायर ब्रिगेड और आसपास के लोगों ने मिलकर आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

मझौली थाना क्षेत्र में जारी है अवैधानिक गतिविधियां

फल फूल रहा शराब,गांजा एवं रेत का अवैध कारोबार

विजय मत, सीधी।

जब क्षेत्र में अवैधानिक गतिविधियां जारी हों एवं अवैध कारोबार फल फूल रहा हो तो क्षेत्र के थाना प्रभारी पर सवालिया निशान खड़ा होना स्वाभाविक है कुछ इसी तरह का मामला इन दिनों थाना क्षेत्र मझौली में देखा जा रहा है जहां कहने को तो शराब की लाइसेंसी दुकान नाम मात्र की हैं जबकि प्रत्येक गांव में देसी एवं अंग्रेजी शराब के साथ गांजा की बिक्री खुलेआम जारी है इसी तरह थाना क्षेत्र में कई नदियां व नालों रेत उत्खनन एवं परिवहन का कारोबार भी धड़ल्ले से चल रहा है जिससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिना थाना प्रभारी के सहमत एवं संरक्षण के इस तरह कारोबार नहीं हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि इन सबके साथ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीणों की मानें तो मझौली थाने में सौदेबाजी हो जाती है जिनके अनुसार कुछ दिन पूर्व दियाडोल निवासी देवेंद्र नामदेव जो परिवार सहित अपने रिश्तेदारी में गए हुए थे सूना घर होने के कारण उनके घर में चोरी हो गई जिसमें नगद पैसा एवं जेवर भी चोर ले गए।घर आने पर फरियादी ने चोरी की शिकायत थाना मझौली में दर्ज कराई। कुछ दिन बाद 500 रु का पुराना नोट लेकर एक व्यक्ति कई लोगों से संपर्क किया है जिसकी जानकारी

पीड़ति को हुई क्योंकि चोरी गए रुपए में पुराना 500 का नोट भी उसका चोरी हो गया था वह उसी के घर गया जो 500 रुपए का नोट लेकर भटक रहा था जहां जाने पर फरियादी के टूटा सूटकेस एवं बैंक के दस्तावेज पासबुक उसके आंगन में पड़े थे जिन्हें समेट कर वह मझौली थाने में सूचना दिया।ऐसे प्रमाणित मामले में तत्काल चोरी के अपराध की धारा कायम कर आरोपी को गिरफ्तार करना चाहिए लेकिन फरियादी का सामान दिला कर समझौता कर दिया गया। यह पहला मामला नहीं है ऐसे कई मामले आए दिन देखने एवं सुनने को मिलते हैं।

गांजा, शराब व रेत तस्करी रोकने मंडल अध्यक्ष ने लिखा पत्र

थाना क्षेत्र मझौली अंतर्गत गांजा, शराब के साथ रेत तस्करी बड़े पैमाने पर होती है जिसकी पुष्टि इस बात से होती है कि सत्ता दल के नेता भाजपा मंडल अध्यक्ष मझौली प्रवीण तिवारी के द्वारा इस आशय का पत्र जिम्मेदार अधिकारियों को देकर मांग किया है कि थाना क्षेत्र मझौली अंतर्गत हो रहे बड़े पैमाने पर मादक पदार्थ गांजा और शराब की तस्करी से जहां युवा पीढ़ी का भविष्य बर्बाद हो रहा है वहीं आर्थिक हालत भी दिनों दिन खराब हो रहे हैं और उनमें आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ रही है जिस कारण मादक पदार्थ की तस्करी पर कड़ाई से रोक लगाई जाए इसी तरह क्षेत्र में रेत माफियाओं के नाजायज दखल से समाज का जरूरतमंद व्यक्ति परेशान है नदी नालों से रेत उत्खनन के कारण दिनों दिन जल स्तर नीचे जा रहा है एवं जल जीवों पर संकट बढ़ रहा है जिस कारण अवैध रेत तस्करी पर भी रोक लगाई जाए।

सिहावल का बंटाढार कर मैडम चली मझौली

चहेते ठेकेदारों को भी मझौली में आने का दिया आफर, जिले में चर्चा का विषय बनी मैडम की कार्यशैली

विजय मत, सीधी।

जिले में इन दिनों एक मैडम काफी चर्चा में है, रहे भी क्यों न क्योंकि उन्होंने अपने व अपनों को लाभ देने के लिए सरकार की योजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपए का चुना लग चुकी है। हालांकि सिहावल से उन्हें विभाग द्वारा तबादला कर दिया गया है लेकिन वह नवीन पदस्थापना स्थल पर भी ठीक उसी तरह कार्य करती नजर आ रही है जैसे सिहावल में कार्य कर चर्चा में बनी रही।

बताया जा रहा है कि भ्रष्टाचार को लेकर जिले में चर्चा का विषय बनी यह मैडम सिहावल से मझौली तो पहुंच गई है लेकिन कार्यशैली ठीक उसी ढंग से मझौली में भी चल पड़ी है।सरकारी खजाने में सेंध लगाने की तैयारी शुरू करते हुए अपने चहेते ठेकेदारों को भी मझौली आने का ऑफर दे दिया। सूत्रों की माने तो उनके करीबी ठेकेदारों में से कुछ ठेकेदार मझौली में अपना डेरा भी जमा लिए हैं और जमकर सिहावल की तरह मझौली में भी सरकारी योजनाओं की लीपा पोती कर खजाने में सेंध लगाना शुरू कर दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि इन मैडम के भ्रष्टाचार को लेकर कई बार मीडिया सहित राजनेताओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी शिकायत दर्ज कराई है

लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई यही वजह है कि मैडम के जहां हौसले दिनों दिन बुलंद हो रहे हैं वहीं सरकार को अच्छी खासी चपत भी लग रही है।

पड़ सकता है भारी

सिहावल से स्थानांतरित होकर मझौली पहुंचीं मैडम सरकारी खजाने में सेंध लगाने वाली कार्ययोजना तैयार कर ली है लेकिन यह भूल रहीं हैं कि यहां वह सीईओ नहीं है जो आपके भ्रष्टचार में शामिल होने वाले है, बल्कि यहां जिन सीईओ को पदस्थापना है वह अपनी कार्यशैली को लेकर हमेशा राजनेताओं के साथ-साथ प्रशासन के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रुप में जानें जाते हैं ऐसे में साफ एवं स्वच्छ छवि वाले सीईओ के साथ मैडम की चाल सफल नहीं हो सकती, बावजूद इसके मैडम ने अपनी सिहावल वाली विषाद बिछानी शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि सेवा के अंतिम समय में सीईओ साहब को भी अपनी छवि को बरकरार रखने के लिए इन मैडम पर भी नजर रखनी पड़ेगी।

16 वर्ष से सीधी में पदस्थ

जिन मैडम की कार्यशैली को लेकर लोगों में चर्चा का विषय आम बना हुआ है उनके सरकारी आदेश भी बौना साबित हो गया है, वजह यह है कि सरकार कहती हैं कि प्रत्येक तीन वर्ष में तबादला नियम लागू हैं लेकिन इनके बारे में पता चला है कि यह सीधी जिले में वर्ष 2008 से पदस्थ है। इस हिसाब से सीधी में इनकी सेवा 16 वर्ष से चल रही है, इन्हें सरकार के उस आदेश से लगता हैं अलग कर दिया गया है। तभी तो 16 वर्ष बाद भी सीधी जिले से बाहर इनका स्थानांतरण नहीं हुआ है।

एक पद भ्रष्टाचार के नाम

बता दें कि हम जिस मैडम की बात कर रहे हैं वह मूल रूप से उपयंत्री हैं लेकिन लंबे समय से इन्हे एसडीओ का प्रभार सौंपा गया है। लोगों का कहना है कि मैडम को उनके मूल पद से ऊपर की पदस्थापना उनके भ्रष्टाचार को लेकर बतौर इनाम दिया गया है। तभी तो वह लंबे समय से प्रभारी एसडीओ की जिम्मेवारी संभाल रखी है। सीधी जिले में प्रसाशनिक व्यवस्था पर लंबे समय से सवाल खड़े हो रहे हैं, नवागत कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से जिले वासियों को काफी उम्मीदें हैं लेकिन वह ऐसे समय में आए हैं जब लोकसभा चुनाव चल रहा है। उम्मीद है कि चुनाव के बाद कलेक्टर जरूर जिले की प्रशासनिक व्यवस्था पर नजर डालेंगे।

नरवाई न जलाए, मिटटी की उर्वरा शक्ति बढाएं

उमरिया- उप संचालक कृषि खेलावन डेहरिया ने किसानो से अपील की है कि अपने खेतों मे नरवाई न जलाये न ही खेतो में आग लगाये नरवाई जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति में कमी आती है। वर्तमान में खेती में यंत्रीकरण का उपयोग बढने एवं कटाई हेतु कम्बाईन हारवेस्टर ट्रेक्टर रीपर का बड़े पैमाने में उपयोग बढ़ता जा रहा है। किसानों द्वारा गेहूँ धान कटाई बाद डंठल यानि नरवाई एवं भूसा खेतो में छोड दिया जाता है जिसको किसान कचरा समझकर आग लगा देते हैं । नरवाई में आग लगाने से सिर्फ नरवाई ही नहीं जलती बल्की उसमें जमीन के अंदर उपस्थित सभी सूक्ष्म जीव तापमान बढ़ने से समाप्त हो जाते है परिणाम स्वरूप जली हुई भूमि मृत अवस्था में बदल जाती है जिसमें सजीव होने में कई वर्ष लग जाते है नरवाई जलाना न सिर्फ किसान के लिये हानिकारक है अपितु प्रकृति पर्यावरण भूमि का प्रदूषण होता है।

शासकीय भूमि में अतिक्रमण करलिया अवैध निर्माण

विजय मत, सीधी।

शहर के नगर पालिका वार्ड क्रमांक 23 पटवारी हल्का कोटहा तहसील गोपद बनास के आराजी क्रमांक 235 रकवा 0.327 हे. शासकीय भूमि एवं पटवारी हल्का अमहा के आराजी क्रमांक 216 रकवा 1.5330 हे. तालाब मे? में सीमावर्ती भूमिस्वामी श्रीमती हिराऊ देवी पत्नी रामकृपाल गुप्ता ने राजस्व अमला एवं नगर पालिका के कर्मचारियों की मिलीभगत से भूतल निर्माण कर पुस्तैनी बरसाती नाले को बन्द कर दिया है एवं तीन मंजिल भवन निर्माण कर शासकीय भूमि आराजी क्रमांक 235 में अतिक्रमण कर लिया है उक्त आरोप डॉ0 हेमन्त तिवारी पूर्व संचालक

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी ने जारी विज्ञप्ति में लगाया है।

श्री तिवारी ने बताया गया इस पूरे मामले की शिकायत तहसीलदार गोपद बनास, अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास, कलेक्टर जन सुनवाई, तत्कालीन कलेक्टर, मुख्यमंत्री आन लाइन शिकायत क्रमांक 22657270 दिनांक 12.06.2023, 23717467 दिनांक 14.08.2023, 26319161 दिनांक 05.03.2024 में कई बार की गई। लेकिन सभी पत्रों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई बल्कि राजस्व विभाग में सभी पत्र गायब हैं।भू अभिलेखागार में पटवारी हल्का कोटहा के नक्शा से नाप कराने पर प्रतीत होता है कि आराजी क्रमांक 233/5 के उत्तर से दक्षिण की नाप लगभग 50-52 क?ी यानी 39-40 फीट है, उससे सटी हुई आराजी क्रमांक 235 शासकीय भूमि है, लेकिन 233/5 का भूमिस्वामी का पुराना निर्माण 32 फीट .नया निर्माण 22 फुट कुल 54 फीट में निर्माण करा रहा है। अतः 233/5 का भूमिस्वामी 14-15 फीट का अतिक्रमण आराजी क्रमांक 235 शासकीय भूमि पर कर लिया है जो करो?ी रूपये की शासकीय सम्पत्ति है। तथा सार्वजनिक पुस्तैनी बरसाती नाले को बन्द कर दिया है। 233/5 का भूमिस्वामी मौके पर कम जमीन होने पर ज्यादा जमीन का विक्री पत्र लिखवाया था उसी के आधार पर वह 235 पर अतिक्रमण कर रहा है और राजस्व विभाग एवं नगर पालिका की मिली भगत के कारण सीमा वर्ती भूमिस्वामी कोटहा शासकीय भूमि आराजी क्रमांक 235 में 15ह्य170 में एवं अमह के आराजी क्रमांक 216 तालाब में 6 में अवैधानिक कब्जा किये हुये है। अतः जिला प्रशासन मुस्तैद होकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराये एवं पुस्तैनी सार्वजनिक नाले को खुलवाया जाये ताकि वार्ड क्रमांक 22 एवं 23 के निचले रहाइसी लोगो के घरों में पानी ना भरे।

पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान दल का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया । भारत निर्वाचन आयोग व्दारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 12 अनुसूचित जन जाति शहडोल संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 19 अप्रैल को संपन्न होगा। जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन की तैयारियां जोरो पर की जा रही है। जिले में पीठासीन अधिकारियो तथा मतदान दल का प्रशिक्षण शासकीय रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में दिया जा रहा है । कलेक्टर एवंजिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान दल में संलग्न शासकीय सेवक पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें।

सामान्य प्रेक्षक ने सिहावल और चितरंगी के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

विजय मत, सीधी।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 11-सीधी के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अभिषेक कृष्णा (आईएएस) द्वारा विधानसभा क्षेत्र 78- सिहावल एवं 79 - चितरंगी के त्रिटिकल, सामान्य एवं शैडो क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए मतदान केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पीने का पानी, शौचालय, विकलांग एवं बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर, छाया इत्यादि सुविधा के लिए निर्देश दिए। श्री कृष्णा द्वारा भ्रमण के दौरान नवीन मतदाताओं एवं ग्रामीणजनों से चर्चा कर मतदान के संबंध में चर्चा भी की गई। भ्रमण के दौरान मतदान केंद्रों में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सुविधा सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

सामान्य प्रेक्षक ने विधानसभा क्षेत्र 78- सिहावल के मतदान केन्द्र क्रमांक 189 केशवाही, मतदान केन्द्र क्रमांक 191 एवं 192 चन्दवाही, मतदान केन्द्र क्रमांक 193 एवं 194 बहरी तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 239 एवं 240 नौढ़िया आबाद का निरीक्षण किया। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 79 - चितरंगी के मतदान केन्द्र क्रमांक 152 एवं 153 कर्थुआ, मतदान केन्द्र क्रमांक 192 दार, मतदान केन्द्र क्रमांक 193 कुसहनिया एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 82 महुगढ़ी का निरीक्षण किया।

बैठक

सीईओ जिला पंचायत राहुल धोटे ने प्राचार्यों एवं संचालकों को दिये कड़े निर्देश

अशासकीय विद्यालयों के संचालक एवं प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई

विजय मत, सीधी।

निजी स्कूलों द्वारा पाठ्य पुस्तकों, यूनीफार्म एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री के क्रय हेतु पालकों पर अनुचित दबाव बनाये जाने के सम्बंध में म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लेख किया गया कि विभिन्न माध्यमों से शासन के संज्ञान में आया है कि कतिपय स्कूल प्रबंधन एवं प्राचार्य द्वारा एन.सी.ई.आर.टी, एस.सी.ई.आर.टी. से सम्बंधित पुस्तकों के साथ अन्य प्रकाशकों की अधिक मूल्य की पुस्तकें एवं अन्य सामग्री क्रय करने हेतु पालकों पर अनुचित दबाव बनाया जाकर विषयवार एन.सी.ई.आर.टी, सी.बी.एस.ई, एस.सी.ई.आर.टी. मुद्रित व निधारित पाठ्यक्रम की पाठ्य पुस्तकों के स्थान पर अन्य प्रकाशकों की पाठ्य पुस्तकों का चयन कर अभिभावक को दुकान विशेष, निर्धारित स्थान से पाठ्य पुस्तकों व अन्य शैक्षिक सामग्री अथव यूनीफार्म क्रय करने हेतु अप्रत्यक्ष रूप से बाध्य किया जा रहा है। इस संबंध में स्कूल संचालकों एवं पुस्तक विक्रेताओं की बैठक दिनांक 04.04.2024 को जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी राहुल धोटे द्वारा संचालकों को समझाइस देते हुए निर्देशित किया गया कि किसी भी अभिभावक को किसी विशेष दुकान से न तो पुस्तक क्रय करने हेतु बाध्य किया जाय और न ही यूनिफार्म खरीदने हेतु बाध्य करे। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देश अनुसार ही कार्यवाही सुनिश्चित करें। सेवा भाव के साथ कार्य करें, शासन प्रशासन आपके साथ है। शासन निर्देश के विपरीत कार्य करने पर आपके विरूद्ध कार्यवाही की जावेगी, जिसकी जिम्मेदारी आपकी होगी।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमलाल मिश्रा, डी.पी.सी.राजेश तिवारी, अनिल पटेल, रामकृष्ण तिवारी, प्रवीण कुमार शुक्ला ए.डी.पी.सी., एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा, सभी बीआरसी, योजना अधिकारी आदित्य पाण्डेय योजना अधिकारी एवं जिले के सभी अशासकीय प्राचार्य एवं संचालक उपस्थित रहे।

अवैध मुरूम की खेप जिससे ग्रामीण इलाकों की प्रधानमंत्री सड़क पूरी तरह जर्जर

विजय मत, घुनघुटी।

जिले में मुरुम खदान की नहीं होने से प्रशासन को राजस्व की हानि हो रही है, वहीं जिले के घुनघुटी रेलवे स्टेशन पर स्थित झांझरिया कंपनी द्वारा लगातार अवैध मुरूम की खेप लग रही है,जानकारी है कि झांझरिया कंपनी द्वारा ग्रामीणों को चंद पैसों की लालच में ग्रामीणों के खेतों से मुरूम निकल वाते है,और हाईवा के माध्यम से बन रही तीसरी रेलवे लाइन पर मुरूम ढलाई जा रही है जिससे क्षेत्रों पर बनी प्रधानमंत्री सड़क की ओवरलोड मुरूम ढोने से सड़क की धज्जियां झांझरिया कंपनी द्वारा उड़ाई जा रही है

वहीं जिले में सड़क की निर्माण मुरुम के बिना पूरा नहीं होता, सरकारी और निजी निर्माण कार्य में बड़े पैमाने में मुरूम का उपयोग रोजाना किया जा रहा है,पर जिले में एक भी मुरूम खदान की लीज नहीं है मुरूम की आपूर्ति कर्ताओं द्वारा आंख मूंद कर ऊंचे टीले की खुदाई की जा रही है, वन भूमि के साथ ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी इलाकों के पास मुरूम की अवैध खुदाई से बड़े-बड़े गड्ढे बनाए गए हैं बारिश की मौसम में इन गड्ढों में पानी जमा हो जाने से बच्चों के साथ मवेशियों के गिरने का खतरा बना रहता है राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे चल रही इन अवैध उत्खनन की ओर से अधिकारियों ने पूरी तरह आंख मूंद रखे हैं जिले में मुरुम की आपूर्ति का काम अधिकांशता ट्रैक्टर और हाईवा चालकों द्वारा किया जाता है सड़क निर्माण के लिए ठेकेदारों द्वारा भी जेसीबी की मदद से बड़े पैमानों में मुरुम का उत्खनन किया जाता है उत्खनन के दौरान संबंधित ठेकेदार अपनी सुविधा के अनुसार कहीं भी गड्ढे खोद देते हैं देखा यह जा रहा है कि लगातार घुनघुटी रेलवे स्टेशन पर स्थापित झांझरिया कंपनी अवैध मुरूम की खेप लगा रही है इन पर किसकी सांठगांठ से यह कार्य तेजी से चल रहा है

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी हैं।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कु छ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(सेरामाइड)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(अल्फा हाइड्रोसी एसिड)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(विटामिन)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(सनस्क्रीन)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है।

त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं। सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।

स्टार्क ने इस सत्र में पहली बार लिए दो विकेट

विशाखापत्तनम। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज मिशेल स्टार्क को इस सत्र में पहली बार दो विकेट मिले हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्टार्क ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में ये दो विकेट लिए। स्टार्क को केकेआर ने 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। स्टार्क ने 273 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को शुरूआती ओवरों में ही विकेट लेकर दबाव में डाल दिया था। स्टार्क ने 3 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। इससे पहले खेले गए दो मुकाबलों में वह 100 रन देकर एक भी विकेट नहीं निकाल पाए थे।

इरफान पठान की तरह ही तेज गेंदबाज बनना चाहते थे सिद्धार्थ

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के नये स्पिनर एम सिद्धार्थ ने अपने पहले सत्र में ही जिस प्रकार विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया है। उससे सिद्धार्थ सभी की नजरों में आ गये हैं। घरेलू क्रिकेट में तमिलनाडू की ओर से खेलने हुए भी सिद्धार्थ का शानदार गेंदबाजी रिकार्ड रहा है। सिद्धार्थ ने अपने दूसरे ही मैच में आरसीबी के कई दिगगज बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। सिद्धार्थ का सपना इरफान पठान की तरह तेज गेंदबाज बनना था पर उन्होंने बाद में वह लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजी में उतरे गये। उन्होंने ये बदलाव इसलिए किया क्योंकि उनकी पेस कम हो गई थी हालांकि वह गेंदबाजी को स्विंग करा रहे थे। जैसे जैसे अनुभव बढ़ता गया उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता लाना प्रारंभ कर दिया जिसे खेलना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो गया।

मयंक असाधारण क्षमताओं वाला गेंदबाज : विजय दाहिया

नई दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपरजायंट्स के नये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने मैदान में उतरते ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मयंक ने जिस प्रकार दोनो ही मैच में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंदें फेंकी हैं उससे पता चलता है कि वह आसाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज हैं। मयंक को लेकर पूर्व क्रिकेर विजय दाहिया ने कहा कि रणनीतिक मानकिसता उन्हें गेंदबाजों से अलग करती है।

दहिया ने कहा कि जहां तक प्रथम श्रेणी गेंदबाज होने का सवाल है तो मयंक के पास ज्यादा अनुभव नहीं है, इसके बाद भी उनके प्रदर्शन में काफी गहरायी है। इस साल की देवधर ट्रॉफी में उनकी क्षमताएं सभी ने देखी थीं। वह वहां भी 150 से अधिक की गेंदबाजी कर रहा था। मयंक के यहां तक पहुंचने की कहानी भी रोचक है। दहिया ने कहा कि मैं रणजी ट्रॉफी में यूपी टीम को

कोचिंग दे रहा था और हम मोहाली में खेल रहे थे। वहीं हमारे नेट के बगल में, दिल्ली टीम अभ्यास कर रही थी इसलिए मैं वहीं खड़ा था। इस दौरान एक लड़का काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा था। उसका रनअप भी काफी प्रभावित करने वाला था।

इसके बाद मैंने उसे तुरंत लखनऊ बुला लिया। पिछले साल मुझे उम्मीद थी कि वह आईपीएल में धमाका कर देगा पर वह चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाया। लखनऊ टीम कुछ अभ्यास मैच खेल रही थी और वह उन अभ्यास खेलों में घायल हो गए और उस सीज़न में नहीं खेल सके।

हॉकी खिलाड़ी हार्दिक ने अपनी सफलता का श्रेय जुगराज को दिया

एक समय निराश होकर नीदरलैंड जा रहे थे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह को दिया है। हार्दिक के अनुसार अगर उन्हें जुगराज नहीं रोकते तो वह साल 2017 में ही क्लब स्तर पर खेलने के लिए नीदरलैंड चले गये होते। हार्दिक के अनुसार तब उन्हें राष्ट्रीय शिविर में असफलता मिली थी और वह टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। ऐसे में वह निराश होकर नीदरलैंड की ओर रुख करने पर विचार कर रहे थे।

हार्दिक के अनुसार ऐसे समय में उन्हें जुगराज ने एकाग्र रहकर अभ्यास करने को कहा था। हार्दिक ने कहा, ''मोहाली हॉकी अकादमी से जुड़ने के बाद मैं सब-जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक अच्छी गति से आगे बढ़ा पर इसके बाद आई बाधा से मेरा आत्मविश्वास कम हो गया

जिससे मुझे अपना भविष्य खतरे में नजर आने लगा।'' तब मैंने 2017 में क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड जाने का फैसला किया था। मैंने देश की ओर से खेलने की उम्मीद भी छोड़ दी थी। ऐसे समय में जुगराज ने उनको सही सलाद दी जिसके कारण ही आज वह यहां तक पहुंचे हैं। साथ ही कहा कि जब आप अच्छा कर रहे होते हैं तो भी आपको अच्छे मार्गदर्शन की जरूरत होती है। हार्दिक ने कहा, ''उन्होंने मुझे देश में हॉकी को और अधिक देखने तथा अपने खेल में सुधार करने की सलाह दी। उस समय मैं 18-19 साल का था इसलिए मैंने सोचा कि स्वयं को कुछ और समय दिया जाए।''

उन्होंने कहा, ''जुगराज ने मुझसे कहा कि उम्र आपके पक्ष में है। आपके पास खेल है, आप भारत में रहकर भी चमक सकते हैं। घरेलू टीमों के लिए खेलें और अपना कौशल दिखाएं जिससे लोग आपके बारे में जान सकें।''इसके बाद हार्दिक को सही परिणाम मिले और उन्हें मिडफील्डर के तौर पर टीम में जगह मिल गयी। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य तथा हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम भी भी शामिल रहे।

आईपीएल 2024 : आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे सनराइजर्स हैदराबाद और सीएसके

हैदराबाद, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 17वां मैच में शुक्रवाकर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। दोनो को ही अपने पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब इनका लक्ष्य जीत की लय हासिल करना रहेगा। सीएसके ने 3 में से 2 मुकाबले जीते हैं पर पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा था। अब वह सनराइजर्स को हराकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेगी। हालांकि ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। सीएसके के नये कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में मिली हार के बाद यही कहा था। उन्हें और उनके सलामी जोड़ीदार रचिन रविंद्र को हालांकि घूमती गेंदों का

सामना करने के लिये तैयार रहना होगा जिसमें वे दिल्ली के खिलाफ असफल रहे थे। इस मैच में प्रशंसक पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहते हैं। धोनी ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। हालांकि वह युवा शिवम दुबे और समीर रिजवी को अपने से आगे भेजेंगे। गेंदबाजी में चेन्नई को संयोजन पर विचार करना होगा क्योंकि टीम के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।अभी तक मुस्ताफिजूर और मथीषा पथिराना की जोड़ी सीएसके के लिये अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। अब मुस्ताफिजूर की जगह मुकेश चौधरी ले सकते हैं क्योंकि शार्दुल ठाकुर ने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। उसे सनराइजर्स के तूफानी बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा।

वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसके बल्लेबाजों ने मुंबई के खिलाफ दूसरे मैच में आईपीएल के इतिहास का सबसे ज्यादा स्कोर बनाया था पर सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के रन नहीं बनाने से टीम को नुकसान हुआ है। वहीं गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे। गेंदबाजी की बात करें तो जयदेव उनादकट, मयंक मार्कण्डेय और भुवनेश्वर कुमार भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। भुवनेश्वर नयी गेंद से असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में तीन ही विकेट ले सके हैं। क्सान पैट कमिंस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला है। टीम की बल्लेबाजी ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और एडेन मार्करम जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी।

तो हार्दिक नहीं हुए होते प्रशंसकों के गुस्से का शिकार : शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में उतरी मुम्बई इंडियंस के लिए आईपीएल 2024 सत्र की शुरुआत काफी खराब रही है और टीम को जिस प्रकार अपने तीनों ही मुकाबलों में हार का सामना पड़ा है। उससे पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर आ गये हैं और हुटिंग का शिकार हुए है। इसको लेकर आर अश्विन, संजय मांजरेकर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने नाराजगी जतायी है और लोगों से हद में रहने को कहा है। वहीं इसी को लेकर अब भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि पांड्या को कप्तान बनाये जाने के समय मुंबई इंडियंस ने स्पष्ट तरीके से बात की होती हो और कहा होता कि ये बदलाव भविष्य को देखते हुए है तो नये कप्तानी के लिए लोगों की इतनी कठोर प्रतिक्रिया नहीं रहती। शास्त्री ने इसके साथ ही

हार्दिक को शांत बने रहने और अपने प्रदर्शन से लोगों को जवाब देने को कहा है। उन्होंने कहा, 'यह भारतीय क्रिकेट टीम नहीं है जो खेल रही है। यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट है। उन्होंने मोटी धनराशि खर्च की है। वह मालिक हैं और कप्तान नियुक्त करना उनका अधिकार है। मेरा मानना है कि इस मामले को संवाद में स्पष्टता के साथ बेहतर तरीके से हल किया जा सकता था। शास्त्री ने कहा, 'अगर आप चाहते थे की हार्दिक कप्तान बने तो यह कह सकते थे कि हम भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसा कर रहे हैं।

बिजनेस

सोना पहली बार 70 हजार के करीब पहुंचा, चांदी ने भी 79,063 का ऑल टाइम हाई बनाया

इस साल 75,000 तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना आज यानी गुरुवार (4 अप्रैल) को एक बार फिर अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 572 रुपए महंगा होकर 69,936 रुपए का हो गया। इस साल अब तक सिर्फ 3 महीने में ही सोने के दाम 6,634 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,302 रुपए पर था।

चांदी भी आज अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। ये 1469

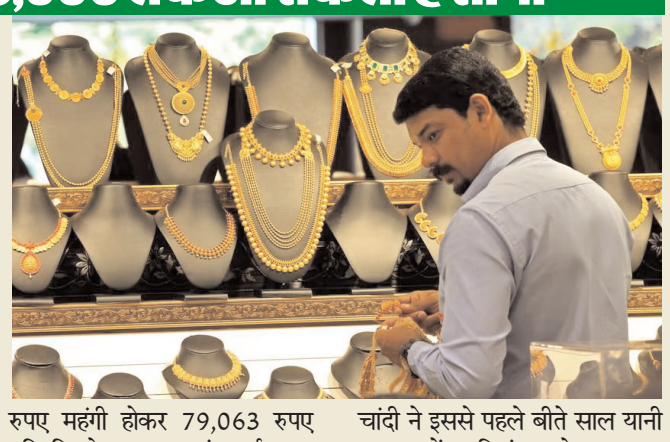

रुपए महंगी होकर 79,063 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई। एक दिन पहले ये 77,594 रुपए पर थी। चांदी ने इससे पहले बीते साल यानी 2023 में 4 दिसंबर को 77,073 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

मार्च में 4 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ था सोना

बीते महीने यानी मार्च में सोने की कीमत में शानदार तेजी देखने को मिली थी। 1 मार्च को सोना 62,592 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 मार्च को 67,252 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी मार्च में इसकी कीमत में 4,660 रुपए की तेजी आई। वहीं चांदी भी 69,977 रुपए से बढ़कर 74,127 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

75 हजार तक जा सकता है सोना

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, आने वाले दिनों में सोने में तेजी देखने को मिल सकती है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 75 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 85 हजार प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

वित्त वर्ष 24 में कोयला उत्पादन 14 करोड़ टन के पार पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त वर्ष 2023-24 में निजी क्षेत्र को आवंटित कोयले का उत्पादन 14.7 करोड़ टन तक पहुंच गया है। निजी क्षेत्र को कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदान दी गई थीं। सरकारी बयान के मुता?बिक वित्त वर्ष 2022-23 के 11.6 करोड़ टन की तुलना में वित्त वर्ष 24 में 27 फीसदी अधिक उत्पादन हुआ। कोयला मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 23 में 11 करोड़ टन कोयला भेजा गया था और यह वित्त वर्ष 24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 14.3 करोड़ टन हो गया। 31 मार्च, 2024 को 58 कोयला खानों में जबकि 31 मार्च, 2023 में 49 खानों में उत्पादन हुआ। वित्त वर्ष 24 में नौ कोयला खदानों का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हुआ जिसमें चार कैप्टिव खानें और पांच वाणिज्यिक खानें हैं। कोयले के कुल उत्पादन 14.72 करोड़ टन में ऊर्जा क्षेत्र की कैप्टिव खानों का उत्पादन 12.13 करोड़ टन था, गैर बिजली क्षेत्र की कैप्टिव खानों का उत्पादन 84 लाख टन और वाणिज्यिक खानों का

उत्पादन 1.75 करोड़ टन था। ये कैप्टिव खानें बीते आठ वर्षों में निजी कंपनियों और राज्य संचालित उपयोग के लिए दी जाती हैं। ऐसा इसलिए शुरू किया गया था जब वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उस समय बीते दशकों के दौरान सभी कोयला ब्लॉक के आवंटन निरस्त कर दिए थे। कोयला मंत्रालय ने निजी क्षेत्र के लिए तीन वर्ष पहले कोयला खनन का क्षेत्र खोला था। कोयला मंत्रालय 64 खानों की वाणिज्यिक नीलामी कर चुका है। कोयला मंत्रालय को उम्मीद है कि कोयला का निजी खनन गति पकड़ेगा। इससे देश को कोयले का अधिशेष स्टॉक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कोयले के सबसे बड़े उत्पादक व वितरक राष्ट्रीय खनक कोल इंडिया लिमिटेड पर दबाव कम होगा।

सेंसेक्स 74,501 और निफ्टी 22,619 का ऑल टाइम हाई बनाया, बैंक और आईटी सेक्टर में रही तेजी

एचडीएफसी बैंक निफ्टी का टॉप गेनर रहा

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 4 अप्रैल को तेजी देखने को मिला। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 74,501 का और निफ्टी ने 22,619 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 350 अंक की तेजी के साथ 74,227 के लेवल पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी में भी 80 पॉइंट की तेजी रही, ये 22,514 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली। एचडीएफसी बैंक निफ्टी का टॉप गेनर रहा। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो प्राइवेट बैंक में 1.12 प्रतिशत और

निफ्टी IT में 1.08 प्रतिशतकी सबसे ज्यादा तेजी रही। इसके अलावा निफ्टी बैंक में 0.92त्न,निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.83 प्रतिशतकी तेजी रही। जबकि, निफ्टी FMCG, निफ्टी फार्मा और निफ्टी ऑयल एंड गैस में गिरावट देखने को मिली।

इससे पहले कल 3 अप्रैल को मामूली गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 27 अंक फिसलकर 73,876 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 18 अंक की गिरावट रही, ये 22,434 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में आज 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली थी।

रुपया 11 पैसे बढ़कर 83.42 डॉलर पहुंचा

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की तेजी के साथ 83.42 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और निरंतर विदेशी कोषों की निकासी ने हालांकि निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.44 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद वह फिसलकर 83.45 प्रति डॉलर आ गया हालांकि जल्द ही उसने वापसी की और 83.42 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.19 पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई के प्रतिबंधों से मुद्रा वायदा सौदों में आ सकती है गिरावट

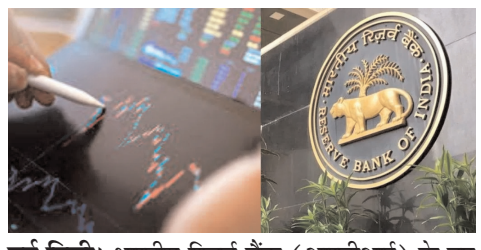

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों से पैदा हुई ऊहापोह के कारण एक्सचेंज में कारोबार होने वाले करेंसी डेरिवेटिव सौदों की मात्रा घट सकती है। नए कायदों के कारण करेंसी डेरिवेटिव में खुदरा निवेशकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी बरकरार रहने पर भी संशय खड़ा हो गया है। यह डर भी जताया जा रहा है कि मुद्रा खरीदे या उसके लिए अनुबंध किए बगैर ही ली गईं पोजिशन शुक्रवार से पहले निपटानी पड़ेंगी। आरबीआई ने इस बारे में 5 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया था, जो 5 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर रुपये में होने वाले करेंसी अनुबंधों के लिए मुद्रा यानी एक्सपोजर होना जरूरी है। 10 करोड़ डॉलर तक की पोजिशन के लिए ट्रेडरों को ऐसे एक्सपोजर का सबूत नहीं देना होता मगर एक्सपोजर होने की पुष्टि करना जरूरी है। मुद्रा वायदा में ज्यादातर लेनदेन खुदरा श्रेणी में होते हैं, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बाजारों में लेनदेन नहीं कर सकते थे। इन बाजारों में बैंक आम तौर पर मुद्रा होने यानी एक्सपोजर होने का सबूत मांगते थे।

देश मे सेवा क्षेत्र की वृद्धि मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मजबूत मांग की वजह से मार्च में साढ़े 13 वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मार्च में 61.2 पहुंच गया। यह फरवरी में 60.6 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विस पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में भारत की सेवाओं का पीएमआई बढ़ा, मजबूत मांग के कारण बिक्री तथा व्यावसायिक गतिविधि में तेजी आई। सेवा प्रदाताओं ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से नियुक्तियां बढ़ाईं हैं। सर्वेक्षण में कहा गया कि रोजगार में नवीनतम वृद्धि कई महीनों में 22वीं और नवंबर 2022 के बाद से संयुक्त रूप से सबसे मजबूत है।इस बीच एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी में 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 हो गया। यह साढ़े 13 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दिखाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com

यूज इन शॉर्ट

मतदान का संदेश देने निकाली गई बाइक रैली

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए जिले में शत-प्रतिशत मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में आज जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्ति करने एवं मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री आनन्द राय सिन्हा के नेतृत्व में जनपद शिक्षा केन्द्र बुढ़ार से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकहो तक मतदाता जागरूकता अंतर्गत बाइक रैली निकाली गई बाईक रैली के दौरान सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो के नारे भी लगाए गए।

लोकतंत्र में वोट का सर्वाधिक महत्व- कमिश्नर

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग बीएम जामोद ने शहडोल संभाग के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि हमारा देश भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में वोट का सर्वाधिक महत्व है, भारतीय संविधान में भारतीय नागरिकों को जो वोट का अधिकार दिया गया है उससे प्रत्येक नागरिक जो मतदाता है अपने मनपंसद उम्मीदवार का चयन कर सकता है, अपने प्रतिनिधि का चुनाव कर सकते है और उसी के आधार पर हमारी लोकप्रिय सरकार बनती है। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि आगामी 19 अप्रैल को शत-प्रतिशत मतदाता मतदान केंद्र पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग करे।

मतदाताओं को पीले चावल देकर किया जा रहा आमंत्रित

शहडोल। जिले में दिव्यांग, युवा, महिलाओं, वरिष्ठ मतदाताओं को घर-घर जाकर 19 अप्रैल को मतदान के लिए पीले चावल देकर आमंत्रित किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत मरहोई, दादर, झिरिया, रेउसा सहित अन्य ग्राम पंचायतों में लोगों द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल देकर आमंत्रित किया गया। गौरतलब है कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

शहडोल - कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आज जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा शहडोल नगर में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदान के प्रति जागरूक किया गया तथा 19 अप्रैल को मतदान करने की अपील स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा जिले के मतदाताओं से की गई।

जिले के लोकसेवा केंद्र में अव्यवस्थाओं का बोलबाला, हितग्राही परेशान

लोकसेवा केन्द्र जयसिंहनगर एवं शहडोल में मॉनीटरिंग का अभाव, एक दिन में नहीं देते कागज

विजय मत, शहडोल।

हितग्राही को भटकाव से बचाने और सरलता से उन्हे न्यायालयीन दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने लोक सेवा केन्द्र संचालित किया है लेकिन कड़ी निगरानी बिना इस केन्द्र का भी हाल बेहाल हो चुका है। लोक सेवा केंद्र जयसिंहनगर एवं शहडोल में किसानों व हितग्राहियों से अवैध वसूली की जा रही है। जिसकी रसीद भी नहीं दी जाती है। यहां अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। केन्द्र में न तो जिला प्रबंधक का पता रहता है और न अफसर कभी मॉनीटरिंग करते हैं। ठेका कर्मचारियों का यहां राज चलता है। पक्षकार दस्तावेज के लिए भटकता रहता है। कर्मचारी वकीलों और पक्षकारों को सर्वर डाउन होने का बहाना बताते रहते हैं। इस तरह स्थानीय प्रशासन की लापरवाही से शासन की मंशा पर पानी फिर गया है।

यह था केन्द्र संचालन का उद्देश्य- न्याय के लिए अदालतों में फरियाद करने वालों को जरूरी दस्तावेज लगाने के लिए तहसील व कलेक्ट्रेट में महीनों चक्कर काटने पड़ते थे। कागजों के बिना उनकी सुनवाई में विलम्ब होता था और उन्हे न्याय भी विलम्ब से मिल पाता था। इसलिए शासन ने यह व्यवस्था की थी कि एक दिन में कागज उपलब्ध करा दिया जाए। शुरू में लोक सेवा केन्द्र वास्तव में बड़ा ही सुविधाजनक था। लेकिन धीरे धीरे उसे भी भ्रष्टाचार और लापरवाही का रोग लग गया। जमाने की दुषित हवा से वह भी अधिक दिनों तक नहीं बच सका।

एक दिन में नहीं मिलता कागज- लेकिन अब कर्मचारी सर्वर का बहाना बनाकर तीन-चार दिन पक्षकारों को दौड़ाते हैं। पक्षकार भटकने और चक्कर काटने को विवश रहता है। कर्मचारी उसकी बात सुनना पसंद नहीं करते हैं। वे वकीलों को भी यही कह कर टरकाते रहते हैं। बताते हैं कि यहां कुछ खास तरह के दलाल सक्रिय हैं जो उनके माध्यम से काम कराने आता है और रिश्वत देता है उसका काम एक दिन में ही हो जाता है। उनके लिए सर्वर का अडंगा नही रहता है।

अफसर नहीं बैठते -शुरू में केन्द्र की सुचारू व्यवस्था के लिए यह प्रावधान किया गया था कि जिला प्रशासन का एक अधिकारी केन्द्र में बैठेगा और यहां की व्यवस्थाएं देखेगा। कुछ दिन तक एक नायब तहसीलदार बैठते थे। इसके बाद अब यहां कोई अधिकारी नहीं बैठता है। और तो और केन्द्र का प्रबंधक भी कभी नजर नहीं आता है। इस तरह यहां बिना कप्तान की फौज है। जो कि मनमानी करती रहती है। लोकसेवा केन्द्र का अनुशासन भंग हो चुका है। कलेक्टर को भी कभी फुर्सत नहीं मिलती कि वे कभी यहां का औचक निरीक्षण करें।

लोकसेवा केंद्र बना पैसा कमाने का जरिया -केन्द्र का सर्वर रोज डाउन क्यों रहता है, इस पर कई वकील संदेह व्यक्त करते हैं। उनका कहना है कि यह सब केवल पैसा कमाने का जरिया है। जब लोग परेशान होते हैं तो वे रिश्वत देकर काम कराने को मजबूर हो जाते हैं। बड़े अधिकारी कभी इस गौर नहीं करते कि आखिर लोक सेवा केन्द्र के सर्वर में क्या गड़बड़ी आ जाती है कि उसकी स्पीड डाउन हो जाती है। अंकुश के बिना यहां भरा मचा हुआ है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा ली गई चुनाव सेल की बैठक

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल कुमार प्रतीक द्वारा आगामी निर्वाचन के मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा हेतु चुनाव सेल की बैठक ली गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व निर्देशों की तामीली की समीक्षा की गई एवं बल की उपलब्धता, प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां, अवैध नशे एवं शराब पर थाना प्रभारियों द्वारा की जा रही कार्यवाहियां, वाहन अधिग्रहण आदि विषयों के संबंध में निर्देश दिये। उक्त बैठक में प्रभारी चुनाव सेल विकास पाण्डेय, उपुअ (महिला सुरक्षा), रक्षित निरीक्षक दीपेन्द्र कुशवाह एवं चुनाव सेल के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

चाकू सहित युवक गिरफ्तार

शहडोल। कोतवाली थानान्तर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर सूचना मिली कि सौखी मोहल्ला एवं अभयकुंज के पास में कुछ व्यक्ति लोहे का चाकू दिखाकर आमजन को डरा धमका रहे है। सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा सौखी मोहल्ला में दबिश देकर आरोपी आशीष उर्फ गोल्डी मेश्राम पिता सुरेन्द्र मेश्राम उम्र 26 वर्ष निवासी सौखी मोहल्ला ईरानी बाडा शहडोल को पकड़कर तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अद् लोहे का चाकू मिला एवं अभयकंज के पास दबिश देकर आरोपी विजय कुशवाहा पिता रामगोपाल कुशवाहा निवासी सौखी मोहल्ला को पकड़कर तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अद् लोहे का चाकू मिला जिन्हें जप्त कर उक्त आरोपियों के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

पटवारी, निर्वाचन कार्य को निष्पक्ष व जिम्मेदारी से करें: जिला निर्वाचन अधिकारी

विजय मत, शहडोल।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर ने कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में नव नियुक्त पटवारियों की बैठक ली। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने पटवारियों से कहा कि लोकसभा निर्वाचन का कार्य निष्पक्ष एवं जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के कार्य संवेदनशीलल होते है इन कार्यों में सावधानी बरते जिससे कार्यो को सरलता के साथ संपादित किया जा सकें तथा आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिशत एप को गंभीरता से समझे और सही समय पर सही जानकारी दर्ज करें, यदि किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो संबंधित बीएलओ एवं पीठासीन अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन ने निर्वाचन से जुड़े अन्य आवश्यक जानकारियों से भी अवगत कराया। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अमृता गर्ग एवं नवनियुक्त पटवारी उपस्थित थे।

कागजों पर ही सिमटा पॉलीथिन उपयोग और बिक्री पर प्रतिबंध

विजय मत, शहडोल।

पॉलीथिन के इस्तेमाल पर पाबंदी का शोर है। लेकिन सभी के सभी नगर पालिका एवं नगर परिषद क्षेत्र में पॉलीथिन धड़ल्ले से दौड़ लगा रही है। अधिकारी भी चंद दिनों की चौकसी दिखाने के बाद फिलहाल खामोश बैठे हैं। जिले में अभी भी 90 प्रतिशत दुकानदार व ग्राहक इसका धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन चंद दुकानदारों के पास से पॉलीथिन की बरामदगी के बाद विभाग ने सख्ती दिखाना मुनासिब नहीं समझा।

अधिकारी फिलहाल बने उदासीन -नगर पालिका पर अमल कराने का दायित्व है, उनके अधिकारी फिलहाल उदासीन बने हैं। शहर में सब्जी मंडी से लेकर नाश्ते, मिठाई, दूध डेयरी, जनरल स्टोर, किराना स्टोर, कपड़े की दुकान आदि पर पॉलिथिन का उपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। नगर परिषद के जिम्मेदारों के सामने भी दुकानदारों के द्वारा पॉलिथीन का उपयोग किया जा रहा है। लेकिन उसके बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। इधर कई महीनों से तो छापेमारी भी नहीं की गई है। जिससे कि इसके उपयोग पर रोक लग सके। प्रतिबंध के बावजूद इसका धड़ल्ले से उपयोग होना यह साबित कर रहा है कि यह आदेश सिर्फ कागजों पर ही सिमट कर रह गया है।

पन्नियां खाकर मर रहे जानवर -नगर के कचरों के ढेर में पहुंचे मवेशियों द्वारा पन्नियों को खा लिया जाता है जिससे ये पालीथिन इनके पेट में फंस कर इन्हें मौत

के घाट उतार देते हैं। जानकारी के मुताबिक पिछले वर्ष से लेकर अब तक शहर के ज्यादा मवेशी पालीथिन खाने से मर चुके हैं। शहर तो शहर अब गांव भी इन पालीथियों के कहर से अछूता नहीं बचा है। शहर के मवेशी जहां धीरे-धीरे साफ होते जा रहे है वहीं अब गांव में भी पालीथिनों के उपयोग से परेशानी बढ़ी हुई मानी जा रही है। नगर पालिका द्वारा कोरम पूरा करने समय समय पर कागजी कार्यवाही कर ली जाती है, लेकिन कागजी घोडा दौडाने से पालीथिन पर लगाम लगना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।

दुकानदार बोले निर्माण रोकना चाहिए - दुकानदारों का कहना है कि पॉलीथिन का उपयोग तो सरकार ने बंद कर दिया है, लेकिन इसका विकल्प वह अभी तक नहीं दे पायी है। जो विकल्प है भी, वह काफी महंगा है। छोटे दुकानदारों के लिए जुट का थैला रखना संभव नहीं है। पॉलीथिन कैरी बैग का विकल्प क्यों नहीं? पॉलिथिन पर प्रतिबंध की घोषणा के बाद सरकार ने कैरी बैग के विकल्प पर कोई ध्यान नहीं दिया है। यही वजह है कि प्रतिबंध के बाद लोगों को पॉलीथिन के विकल्प का अब तक इंतजार बना हुआ है। ऐसे में पॉलीथिन का प्रतिबंध के बाद भी इस्तेमाल हो रही है।

जनमानस की नहीं बदली मानसिकता- पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार सरकार ने तो पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन आम लोग अभी तक इसके लिए तैयार नहीं हुए हैं। वे आज भी बिना थैला लिए घर से निकलकर बाजार आ रहे हैं। जबकि होना यह चाहिए कि आम आदमी घर से थैला लेकर आए।आमजन को खुद भी अपनी मानसिकता में बदलाव करना होगा। इसके लिए प्रशासन की ओर से जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। जिस तरह से प्रशासन की ओर पॉलीथिन में सामग्री बेचने वाले दुकानदारों से जुर्माना वसूली हो रही है, उसी तरह पॉलीथिन में सामान की खरीदारी करने वाले उपभोक्ता पर भी जुर्माना का प्रावधान होना चाहिए। तभी यह अभियान सफल होगा।

पर्यावरण में घुल रहा जहर -प्रतिबंध के बाद भी बड़े पैमाने पर पॉलीथिन का इस्तेमाल हो रहा है। पॉलीथिन सब्जी मंडी, हाथ ठेलों, किराना, मीट, चाट-पकौड़ी की दुकानों में उपयोग होकर प्रदूषण का कारण बन रही है। नगर परिषद द्वारा सड़क के किनारे फेंक जा रहे कूड़े में प्लास्टिक जलायी जा रही है। इससे पानी और हवा दोनों में जहर घुल रहा है।

मारपीट में अधेड़ गंभीर, सर पैर में चोट के निशान

विजय मत, उमरिया।

कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कोइलारी स्थित खेत में नरवार निवासी कमलेश पिता बुद्धू यादव उम्र करीब 35 वर्ष गम्भीर हालत में मिला है,इसके सर ,पैर समेत शरीर मे कई जगह गम्भीर चोट के निशान है,बताया जाता है कि घायल युवक का प्राथमिक उपचार कर जबलपुर रेफर किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो घायल युवक कमलेश अपने किसी साथी के साथ रात 10 बजे ग्राम कोइलारी पहुंचा था,वहाँ किसी से विवाद हो गया,बाद में उन्ही लोगों ने डंडे लाठी से जमकर मारपीट कर घर से दूर फेंक दिया था,इस पूरे मामले में क्या सच है,यह तो पुलिस इन्वेस्टिगेशन का हिस्सा है। पर ग्रामीणों की माने तो घटना को लेकर भरौली चौकी पुलिस रात से ही जानकारी के बाद सक्रिय रही है,पूरी रात घटना के बाद घायल युवक को तलाशा गया है,परन्तु नही मिल सका था,सुबह करीब 9 बजे गांव से सटे खेत पर अचेत अवस्था मे मिला है।सूत्रों की माने तो ये पूरा मामला विवाहित पत्नी से प्रेम से जुड़ा मामला है,4 से 5 महीने पहले भी विवाद हुआ था,परन्तु उस समय मामला रफा दफा हो गया था।

111 चालानों में 52,200/- रूपये समंस शुल्क वसूले

शहडोल। बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालाने वाले, बिना सीटबेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वाले चालकों एवं अन्य के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 111 चालानों में 52,200/- रूपये समंस शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संबंधितों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाईपूर्वक निर्देशित किया गया।

263 लीटर अवैध शराब जप्त

शहडोल। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शहडोल कुमार प्रतीक द्वारा शहडोल जिले में शराब की अवैध बिक्री की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जाकर सभी थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिये गए थे। जिसके पालन में अवैध शराब बिक्री करने वालो के विरुद्ध थाना प्रभारियों द्वारा कार्यवाही कर 25 स्थानों पर दबिश देकर कुल 247 लीटर कच्ची महुआ एवं 16 लीटर अंग्रेजी शराब जप्ती की गई।

ब्यौहारी पुलिस के द्वारा अवैध खनिज परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही

शहडोल। ब्योहारी थानान्तर्गत मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गोदावल तिराहा तरफ कुछ व्यक्ति रेत का अवैध उत्खन्न कर परिवहन कर रहे है। सूचना पर ब्यौहारी पुलिस द्वारा गोदावल तिराहा पर पहुँचकर कुछ समय इंतजार करने के वाद एक ट्रेक्टर मय रेत लोड आते दिखा जिसे रूकवाकर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम अशोक चतुर्वेदी पिता सामरे लाल चतुर्वेदी उम्र 40 वर्ष निवासी देवगांव का होना वताया जिससे वाहन एवं रेत परिवहन के संबंध में दस्तावेज मांगने पर कोई बैध दस्तावेज न होना वताया जिससे ब्यौहारी पुलिस द्वारा टेऊक्टर को मय रेत लोड जप्त कर अज्ञात आरोपी चालक एवं वाहन मालिक के विरूद्ध भादवि एवं खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस ने की सट्टा एक्ट के तहत चार स्थानों पर कार्यवाही

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा नशे एवं सट्टा/जुआ के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सोहागपुर गढी में एक व्यक्ति सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहा है। सूचना पर पुलिस द्वारा सोहागपुर में दबिश देकर आरोपी जिया लाल पिता मुन्नी लाल जयसवाल उम्र 55 वर्ष निवासी सोहागपुर के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं नगदी 150/- रुपये जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड क्रमांक 18 धनपुरी में एक व्यक्ति सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहा है। सूचना पर पुलिस द्वारा धनपुरी में दबिश देकर आरोपी गोविंद कचेर पिता तुलसी दास उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड न0 18 धनपुरी के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं नगदी 160/-रुपये जब्त किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इसी प्रकार थाना कोतवाली अंतर्गत मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि किरन टाकीज के पास एवं देवांता अस्पताल के पास कुछ व्यक्ति सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहे है। सूचना पर पुलिस द्वारा किरन टाकीज के पास दबिश देकर आरोपी अभिषेक साहू पिता लक्ष्मीनारायण साहू उम्र 28 वर्ष निवासी किरन टाकिज के पास शहडोल के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं नगदी 245/-रुपये एवं देवांता अस्पताल के पास दबिश देकर आरोपी अरूण मंछवानी उर्फ धोनी पिता भोजराज मंछवानी निवासी देवांता अस्पताल के पास शहडोल के कब्जे से सट्टा पर्ची, पेन एवं नगदी 270/-रुपये जब्त किया गया।

कार्यक्रम

महिला, पुरूषों की रस्सा कस्सी प्रतियोगिता संपन्न

मतदाता अपना फर्ज निभाएं, 19 अप्रैल को मतदान करनें जरूर जाएं: कमिश्नर

विजय मत, शहडोल।

लोकतंत्र की नींव मतदाता द्वारा रखी जाती है। जितने अधिक मतदाता मतदान में हिस्सा लेंगें लोकतंत्र उतना ही मजबूत और जवाबदार बनेगा। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली व्दारा लोकसभा निर्वाचन 2024 के घोषित कार्यक्रम अनुसार 12 अनुसूचित जन जाति शहडोल संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 19 अप्रैल को होना है। ग्राम शाहपुर के सभी महिला, पुरूष मतदाता मतदान दिवस के दिन अपने घरो से निकलकर मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवश्य है। मतदान करना हमारा नैतिक जिम्मेदारी है। यह विचार आयुक्त शहडोल संभाग बी एस जामोद ने पाली विकासखण्ड के ग्राम शाहपुर में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कमिश्नर शहडोल संभाग ने कहा कि 19 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन के पर्व में सभी को मतदान के माध्यम से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है। ग्राम के समस्त मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करें। ग्राम की महिलाएं, बुजुर्ग, युवा साथी स्वयं तो मतदान करें ही साथ ही आस पडोस, रिश्तेदार, ईष्ट मित्रों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें।

ग्राम शाहपुर में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान महिला एवं पुरूशो की रस्सा कसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं की तरफ से डीआईजी शहडोल सविता सुहाने तथा डिप्टी कलेक्टर हरनीत

कौर ने भी हिस्सा लेकर महिलाओं का उत्साहन वर्धन किया। तत्पश्चात कैंडल जलाकर 19 अप्रैल को लोकसभा निर्वाचन में शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ ली गई। इस अवसरपर अति रिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह, एसडीएम पाली टी आर नाग, सी ईओ जनपद पाली कुंवर कन्हाई, डिपटी कलेक्टर अम्बकेश प्रताप सिंह, हरनीत कौर, सुशील मिश्रा, आशीष श्रीवास्तव, रवि शुक्ला, संजय पाण्डेय, के पी महेन्दा, इमरान सिद्दीकी, आर पी साहू, रविकान्त व्दिवेदी एसडीओपी, ग्रामीण महिला, पुरूष मतदाता, मीडिया के प्रतिनिधि, स्वयं सेवी संस्था के प्रति निधि, एन आर एल एम के डीपी एम चन्द्र भान सिंह उपस्थित रहे।

एडीजीपी शहडोल जोन डी सी सागर ने कहा कि विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र में भारत के संविधान द्वारा दिये गये मतदान के अधिकार का सभी मतदाता उपयोग अवश्य करें। ऐसा करके जहां हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेगे वहीं भारतीय प्रजातंत्र को मजबूत बनाने में अपनी आस्था भी व्यक्त कर सकेगें। मतदान करना हमारा दायित्व एवं कर्तव्य है। पांच साल में मिलने वाले इस अवसर को हमें व्यर्थ नही जाने देना चाहिये। आपने कहा कि जिले भर में मतदान के प्रति व्यापक उत्साह का वातावरण हैं। मतदाता भी इस मुहिम में शामिल होकर जिले के मतदान प्रतिश्त को बढाने में अपना सहयोग करें। उन्होने कहा किसी भय, लालच या प्रलोभन मे आये बिना अपने मत का उपयोग करें।

डीआईजी शहडोल सविता सुहाने ने महिलाओ का आव्हान करते हुए कहा कि महिलाएं यदि मन कुछ करने की ठान लें तो वह भी कुछ भी कर सकती है। उन्होने कहा कि लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव मतदान दिवस पर मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में आहुति दें, मतदान हमारा अधिकार ही नहीं दायित्व भी है, हम सब शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य प्राप्त कर उमरिया जिले का नाम पूरे देश में रोशन करे। मतदान में महिलाओ की तथा बेटियों की अग्रणी भूमिका होनी चाहिये उन्होने महिला मतदाताओ से अपील की कि वें अपने परिवार जनों के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान अवष्य करें।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि निवार्चन आयोग द्वारा दिव्यांग मतदाताओं, बुजुर्ग मतदाताओं, धात्री मतदाताओं को सुविधा प्रदान की जा रही है, ताकि हर मतदाता अपने मत का उपयोग करे। जिले में चुनौती 40 के तहत 40 मतदान केंद्रों का चयन किया गया है। अभियान के तहत मतदाता जागरूकता अभियान की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर मतदान का प्रतिशत बढाने हेतु 19 अप्रैल मतदान दिवस पर मतदान करने की अपील मतदाताओ से की जा रही है। उन्होने कहा कि मतदान के इस महापर्व में कोई भी मतदाता पीछे नही रहे, सभी बढचढ कर हिस्सा लें एवं शत प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लेते हुए दूसरो को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें।